

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY | airtel

चैनल नं. 1155 चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जोधपुर में आशुतोष रांका के कार्यक्रम में हंगामा

जोधपुर। गांधी शांति प्रतिष्ठान में आशुतोष रांका के कार्यक्रम के दौरान हंगामा हो गया। भाजयुमो कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद माहौल गरमा गया। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। कार्यक्रम में सीजेपी के को-कन्वीनर आशुतोष रांका शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान एबीवीपी और भाजयुमो के कुछ कार्यकर्ता दीवार फांदकर परिसर में दाखिल हो गए।

डीके शिवकुमार और गौतम अडाणी की बैठक

बेगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अपने निजी आवास पर अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी से मुलाकात की। राज्य के बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के लिहाज से इस बैठक को बेहद महत्वपूर्ण है। मुलाकात का एजेंडा 16.75 किलोमीटर लंबी टनल रोड परियोजना (हेब्ल से सेंट्रल सिलक बोर्ड) रहा।

यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026: दिल्ली के जंतर-मंतर पर भारी हंगामा

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के 'इक्विटी रेगुलेशन 2026' और मौजूदा आरक्षण व्यवस्था के विरोध में रविवार को फिर

प्रीमियम अगरबत्ती एवं धूप

3-IN-1

SCAN TO FIND OUT

MS Dhoni

Brand Ambassador, Zed Black

Follow us on:

पीएम मोदी व ट्रंप पर गोर ने कहा-वे दोनों ही आगे की सोचने वाले हैं, तेजी से काम करना चाहते हैं और नतीजों पर ध्यान देते हैं

ट्रंप-मोदी के करीबी रिश्तों पर भी दिया जोर

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक बयान में कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच होने वाला व्यापार समझौता लगभग पूरा हो चुका है और सिर्फ अब कुछ कानूनी चीजें बची हुई हैं। अब दोनों पक्ष कानूनी और तकनीकी भाषा पर कार्य कर रहे हैं। यह जानकारी भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दी।

दिल्ली में एक कार्यक्रम में गोर ने कहा कि समझौते की मुख्य बातें तय हो गई हैं और बाकी काम में टेक्स्ट के कुछ हिस्सों को फिर से व्यवस्थित और अंतिम रूप देना शामिल था। इसमें कानूनी और तकनीकी भाषा से जुड़े मुद्दों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गोर ने कहा कि समझौते में सिद्धांत रूप से लगभग सब कुछ पूरा हो चुका है और अब बाकी काम मुख्य रूप से समझौते के लिखित स्वरूप को अंतिम रूप देने से जुड़ा है।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने की पुष्टि

भारत-अमेरिका की ट्रेड डील पूरी मसौदे को दिया जा रहा अंतिम रूप

गोर ने कहा कि सिर्फ अब कुछ कानूनी चीजें बची हुई हैं। अब दोनों पक्ष कानूनी और तकनीकी भाषा पर कार्य कर रहे हैं

रूस से तेल खरीद पर 100 फीसदी टैरिफ का भारत पर पड़ेगा असर

►► ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करना चाहते हैं

पीएम मोदी ट्रंप के सच्चे दोस्त

गोर ने ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच करीबी रिश्तों पर भी जोर दिया और उनके संबंधों को गहरी और व्यक्तिगत दोस्ती बताया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता काम करने में विश्वास रखने वाले और नतीजों पर ध्यान देने वाले हैं, और वे आपसी हित के मुद्दों पर तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे दोनों ही आगे की



►► मार्क रुबियो अक्टूबर में कई दिनों की एक और यात्रा के लिए भारत लौटेंगे

रूस से तेल खरीद पर 100 फीसदी टैरिफ पर हम सहमत

अमेरिकी राजदूत ने अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्तावित उस कानून को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर भी बात की, जिसके तहत रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस कदम को राजनीतिक दलों के दोनों पक्षों के नेताओं का समर्थन मिल रहा है और इस बात पर जोर दिया कि यह व्हाइट हाउस की तरफ से शुरू की गई पहल नहीं है। गोर ने कहा कि यह ऐसी चीज नहीं है जिसका व्हाइट हाउस ने समर्थन किया हो। आपको राष्ट्रपति ट्रंप का इसे आगे ►► शेष पेज 5 पर

अमेरिका के लिए भारत का महत्व बताया

गोर ने अमेरिका के लिए भारत के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण है और अमेरिका चाहता है कि उसकी सरकार के सबसे वरिष्ठ अधिकारी भारत आएँ और यहां भाग लें। गोर ने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो मई में पांच दिन भारत में रहे थे। उन्होंने कहा कि रुबियो अक्टूबर में कई दिनों की एक और यात्रा के लिए भारत लौटेंगे। गोर ने कहा कि अमेरिका के लिए ऐसा होना असामान्य है। उन्होंने कहा कि भारत ►► शेष पेज 5 पर

रक्षा मंत्रालय में तैनात थी महिला अफसर 7 माह पहले हुई थी शादी, शव घर में पंखे से लटका हुआ मिला

►► पति और ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप
►► नाजिया खानम करीब 3 महीने की प्रेग्नेंट थी



एजेसी ►► नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली में द्वारका के भरथल गांव में 30 वर्षीय नाजिया खानम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक महिला रक्षा मंत्रालय में सहायक अनुभाग अधिकारी (एसएसओ) के पद पर तैनात थीं। द्वारका जिला पुलिस ने मामले में महिला के पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 और 108 के तहत प्राथमिकी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 21 अगस्त को दिन में 4:21 बजे पुलिस कंट्रोल रूम (पीसीआर) को भरथल गांव में एक महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही सेक्टर-23 द्वारका थाना पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार जिस महिला का शव मिला, उनकी शादी इसी वर्ष 11 अप्रैल को ही मो. आजम अली खान के साथ मुस्लिम रीति-रिवाजों से हुई थी। शादी के सात महीने के भीतर मामला होने के कारण पुलिस ने तुरंत संबंधित एसडीएम (कार्यकारी मजिस्ट्रेट) को सूचित किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए डीडीयू अस्पताल के शवगृह में भिजवाया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि नाजिया खानम के ससुराल वाले उसके साथ दुर्व्यवहार और मारपीट करते थे। उसे धमकाया भी जाता था। शिकायत में ये भी कहा गया कि ►► शेष पेज 5 पर

अगले दिन लगाए गंभीर आरोप

21 अगस्त को प्राथमिक पूछताछ के दौरान एसडीएम के समक्ष मृतक महिला के परिजनों ने अपने लिखित बयान में किसी भी प्रकार का संदेह या आरोप व्यक्त नहीं किया था। हालांकि, 22 अगस्त को परिजनों ने पुनः एसडीएम के सामने पेश होकर एक नई शिकायत दर्ज कराई, जिसमें पति और ससुराल वालों पर प्रताड़ना व अन्य गंभीर आरोप लगाए गए। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 22 अगस्त को थाना सेक्टर-23 द्वारका में मामला दर्ज कर लिया। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त के अनुसार, पीसीआर काल मिलते ही पुलिस ने तुरंत और निष्पक्ष कार्रवाई की है।

दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिए प्रदर्शनकारी कर्नाट प्लेस और संसद मार्ग छावनी में तब्दील

से भारी हंगामा और बवाल देखने को मिला। यूजीसी के नए नियमों को वापस लेने और रोस्टर सिस्टम में सुधार की मांग को लेकर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर और कर्नाट प्लेस के आउटर ►► शेष पेज 5 पर

सीजेपी की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक आज



केंद्र के वार्डों की समीक्षा करेगी पार्टी, बड़े आंदोलन का संकेत

कोंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) सोमवार को अपनी राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक आयोजित करने जा रही है। इस बैठक में केंद्र ►► शेष पेज 5 पर

बृजभूषण और कंगना पर रामदेव का हमला

कहा- मैं ऐसे ओछे लोगों पर टिप्पणी नहीं करता हूं



नकली सामान गटरछाप वाले बयान पर विवाद

एजेसी ►► नई दिल्ली

योग गुरु बाबा रामदेव ने भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह और सांसद कंगना रनौत द्वारा की गई टिप्पणियों पर करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि इस विवाद को मैं आगे नहीं बढ़ाना चाहता। रामदेव क्या है, यह पूरा देश जानता है। मैं ऐसे ओछे लोगों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। विवाद की शुरुआत बाबा रामदेव द्वारा सरकारी नौकरियों के इंटरव्यू में गड़बड़ियों को लेकर दिए गए बयान से हुई थी, जिसमें उन्होंने आंदोलन की चेतावनी दी थी। इस पर पलटवार करते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने रामदेव पर स्वदेशी के नाम पर नकली उत्पाद बेचने का आरोप लगाया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा था कि इस बार वे सिंदूर और सलवार पहनकर नहीं, बल्कि मर्दों की तरह निर्णायक लड़ाई लड़ें। दूसरी ओर, कंगना रनौत ने जेन जी पर गटरछाप वाली टिप्पणी के विरोध पर रामदेव पर निजी हमला करते हुए इंस्टाग्राम पोस्ट में उनके चरित्र पर सवाल उठाए थे।

11 YEARS OF PROGRESS

धन्यवाद

आप सभी का, जिन्होंने इन वर्षों में हम पर भरोसा किया, हमारा साथ दिया, योगदान दिया और हमारे साथ आगे बढ़े।

6,400 Banking Outlets

3.2 cr Customers

74,000+ Employees

क्राइम ब्रांच ने इंटरनेशनल नार्को टेरर मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

सीमा पार से ड्रोन के जरिए पंजाब में की जाती थी हथियारों की तस्करी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने ऑर्गनाइज्ड ड्रग तस्करी के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल करते हुये इंटरनेशनल नार्को टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। जांच में सीमा पार अफीम तस्करी और अन्य ड्रग्स के बदले हथियार का सौदा होता था। यह नेक्सस खालिस्तानी आतंकवादी अशदीप सिंह उर्फ अशर् डल्ला से जुड़ा था। जांच में पुलिस को टेरर फाइनेंसिंग नेटवर्क का पता भी चला। पुलिस ने विदेशों में भेजे जाने वाले एक्सपोर्ट कंसाइनमेंट से छिपाई गई अफीम भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार जांच में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और विदेशों में काम कर रहे सीमा पार नेटवर्क की पहचान की गई है।



नशीले पदार्थों की खरीद, उन्हें छिपाने और गुप्त रूप से एक्सपोर्ट करने के हाईटेक तरीकों का पता चला। नशीले पदार्थों की तस्करी से हुई कमाई का इस्तेमाल कथित तौर पर टेरर फाइनेंसिंग के लिए किया जा रहा था। सीमा पार ड्रोन ड्राईप्स के जरिए पंजाब में हथियार तस्करी किए जाते थे। सिंडिकेट के

चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। अभी फरार साजिशकर्ताओं की तलाश जारी है। बरामद अफीम की कनाड़ा में अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत लगभग 3.5 करोड़ आंकी गई है। पूरी साजिश, वित्तीय लेनदेन, अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों और इसमें शामिल सभी लोगों की

■ ड्रग्स के बदले होता था हथियारों का सौदा

पहचान करने के लिए पुलिस की जांच अभी जारी है।

चार गिरफ्तार

लगातार और बारीकी से की गई जांच के जरिए इस मॉड्यूल के चार मुख्य सदस्यों की गिरफ्तारी हुई और उनके खिलाफ चार्जशीट भी दायर की गई। इनमें हरदीप सिंह, यादवेंदर सिंह उर्फ जशान संघु, सिमरनजीत सिंह और जीवन सिंह शामिल है। आरोपी हरदीप सिंह (28) बरनाला, पंजाब का रहने वाला है। वह भारत में इस मॉड्यूल के ऑपरेशनल कोऑर्डिनेटर और ऑर्गनाइजर के तौर पर कार्य कर रहा था। वह

जीपीएस आधारित 'डेड-ड्रॉप' के जरिए अफीम हासिल करता था और उसे छिपाने व भेजने का इंतजाम करता था। विदेशी रिसीवर को जानकारी देता था और प्रॉक्सि अकाउंट के जरिए ऑपरेशन के लिए फंडिंग करता था। वह पहले भी बरनाला में एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में शामिल रहा है। आरोपी यादवेंदर सिंह (30) सिरसा, हरियाणा का रहने वाला है। इस ने खेप को हासिल करने, छिपाने और पैक करने में मदद की और तालमेल बिठाया। इसके खुलासे से राजस्थान से भेजी जा रही अफीम की एक और खेप को पकड़ा जा सका। आरोपी सिमरनजीत सिंह (24) बठिंडा, पंजाब का रहने वाला है। वह इस मॉड्यूल का डिस्पेंचर था। वह नकली केवाईसी दस्तावेजों का

इंतजाम करता था। खेप की बुकिंग और उसे भेजने का काम करता था व आम चीजों के बीच अफीम छिपाता था। पकड़े जाने के समय उसके पास मौजूद खेप से अफीम बरामद हुई थी। आरोपी जीवन सिंह (23) बालोतरा, राजस्थान का रहने वाला है।

वह राजस्थान चैन का ऑपरेशनल लिंक और डिस्पेंचर था। उसने एक खेप को खरीदने और भेजने का इंतजाम किया था। उसके खुलासे से बठिंडा, पंजाब से कनाड़ा भेजे जा रहे अफीम के पार्सल का भी पता चला। इसे भेजने वालों का पता लगाने की कोशिशें चल रही हैं। जांच में फरार साजिशकर्ताओं की सक्रिय भूमिका भी सामने आई है, जिनमें विदेश में बैठा घोषित आतंकवादी अशर् डल्ला और उसके हैंडलर शामिल हैं।

भित्तिचित्र बनाने का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जुड़े एक प्रदर्शन के दौरान संसद मार्ग थाने की दीवार पर भित्तिचित्र बनाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि झारखंड निवासी आरोपी की पहचान करण के रूप में हुई है। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान उसने भित्तिचित्र बनाया। पुलिस के अनुसार इस मामले में दिल्ली संपत्ति विरूपण रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की गई और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

जंतर-मंतर पर आरक्षण सुधार प्रदर्शन की अनुमति नहीं, पुलिस ने फिर चेताया

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने रविवार को फिर कहा कि आरक्षण सुधारों को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन या सभा करने की अनुमति किसी भी व्यक्ति या संगठन को नहीं दी गई है। पुलिस ने साथ ही लोगों को गुमराह करने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर वहां एकत्र होने को लेकर भी चेतावनी दी है।

पुलिस का बयान ऐसे समय आया है जब सोशल मीडिया पर कई वीडियो और पोस्ट सामने आए हैं, जिनमें लोगों से रविवार को जंतर-मंतर पर इकट्ठा होने की अपील की गई थी। पुलिस ने कहा कि नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (पूर्व में धारा 144) के तहत निषेधाज्ञा पहले से ही लागू है। इसके बाद इलाके में विरोध



मार्च, जुलूस, प्रदर्शन और पांच या उससे अधिक लोगों के जमा होने पर रोक है। पुलिस ने कहा कि लोगों को सलाह दी जाती है कि वे ऐसे पोस्ट या वीडियो के आधार पर एकत्र न हों और बिना पुष्टि की जांच में पता चला कि मदनपुर खादर निवासी अमन मोटरसाइकिल से सराय काले खां की ओर जा रहा था, तभी आईटीओ फ्लाईओवर पर दोपहिया वाहन को टुक ने टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि अमन के साथ मोटरसाइकिल के पीछे बैठा जाफिया नगर के बाटला हाउस निवासी एल्बर भी सड़क पर गिर गया और घायल हो गया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां अमन को मृत घोषित कर दिया गया। एल्बर का इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि लोगों को केवल प्रामाणिक जानकारी पर ही भरोसा करना चाहिए।

टुक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

नई दिल्ली। आईटीओ फ्लाईओवर पर रविवार सुबह एक टुक ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। मृतक का नाम मदनपुर खादर निवासी अमन (19) बताया गया है। घायल का नाम जाफिया नगर के बाटला हाउस निवासी एल्बर (22) है। पुलिस के अनुसार सुबह करीब छह बजकर 20 मिनट पर आईपी एस्टेट थाने में दुर्घटना के संबंध में पीसीआर पर सूचना मिली। जांच में पता चला कि मदनपुर खादर निवासी अमन मोटरसाइकिल से सराय काले खां की ओर जा रहा था, तभी आईटीओ फ्लाईओवर पर दोपहिया वाहन को टुक ने टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि अमन के साथ मोटरसाइकिल के पीछे बैठा जाफिया नगर के बाटला हाउस निवासी एल्बर भी सड़क पर गिर गया और घायल हो गया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां अमन को मृत घोषित कर दिया गया। एल्बर का इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। टक्कर के बाद टुक चालक मौके से फरार हो गया। चालक का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जसोला: नाले में गिरने के बाद 15 वर्षीय लड़का लापता

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी जिले के जसोला गांव में पतंग पकड़ने के प्रयास में एक 15 वर्षीय किशोर खुले नाले में गिरकर लापता हो गया। घटना सामने आने के बाद कई एजेंसियों ने मिलकर तलाशी अभियान शुरू किया है।

पुलिस के अनुसार घटना शनिवार सुबह करीब 11 बजे उस समय हुई जब आठवीं कक्षा का छात्र मिथुन खुले नाले के पास पतंग पकड़ने की कोशिश कर रहा था। घटना के चश्मदीद एक अन्य लड़के ने मिथुन के परिवार को इसकी सूचना दी, जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। दिल्ली

खुले नाले और निर्माण स्थल बने जानलेवा : यादव
नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने रविवार को कहा कि दिल्ली के जसोला इलाके में शनिवार सुबह आठवीं कक्षा के 15 वर्षीय छात्र मिथुन के खुले नाले में गिरने और दिग्भर तलाश के बावजूद उसके अब तक लापता होने की घटना बेहद दुःखद है और दिल्ली सरकार की गंभीर लापरवाही को उजागर करती है। कांग्रेस इस दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए भाजपा सरकार की कड़ी निंदा करती है। यादव ने कहा कि हाल के दिनों में खुले नालों, जलभराव वाले क्षेत्रों और निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के अभाव के कारण कई लोगों की जान जा चुकी है।

दमकल सेवा और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों सहित पुलिस और बचाव दलों ने नाले में तलाशी अभियान चलाया। गोताखोशों द्वारा शनिवार को कई घंटों तक तलाश करने के बावजूद मिथुन का पता नहीं चल पाया। देर रात अभियान को रोक दिया गया था।

पुलिस ने बताया कि रविवार को फिर से अभियान शुरू किया गया और मिथुन का पता लगाने के लिए कई टीमों को तैनात किया गया है। रिश्तेदारों के अनुसार मूलरूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला मिथुन का परिवार इसी इलाके में रहता है और दिहाड़ी मजदूरी करता है।

एनआईए और आरबीआई अधिकारी बनकर करते थे धोखाधड़ी, एक आरोपी चढ़ा हत्थे

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की एजीएस टीम ने डिजिटल अरेस्ट, गलत पहचान बताकर ठगी और जबरन वसूली करने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर प्रॉड सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में एक आरोपी को अरेस्ट किया गया है। इसने अपने सिंडिकेट के सदस्यों के साथ मिलकर एटीएस, एनआईए और आरबीआई के अधिकारी बनकर रेलवे के एक रिटायर्ड कर्मचारी के साथ धोखाधड़ी की थी।

शिकायतकर्ता को गलत तरीके से टेरर फंडिंग के मामले से जोड़ा गया और वीडियो कॉल व नकली दस्तावेजों के जरिए गिरफ्तारी की धमकी दी गई थी। सिंडिकेट द्वारा नियंत्रित बैंक खातों में आर्टीजीएस ट्रांसफर के जरिए कुल 30 लाख रुपये की जबरन वसूली की गई



थी। अब तक कुल 12 लाख रुपये की राशि रिकवर कर शिकायतकर्ता को भुगतान की गई है। पुलिस के अनुसार संगठित साइबर प्रॉड और डिजिटल अरेस्ट स्कैम के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए द्वारका एजीएस टीम ने हरियाणा के फतेहाबाद निवासी सुनील सिंगला नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वह साइबर माध्यमों से धोखाधड़ी, कानून प्रवर्तन एजेंसियों

■ रेलवे के रिटायर्ड कर्मचारी को डिजिटल अरेस्ट कर लगाई थी 30 लाख की चपत

के अधिकारी होने का नाटक करने, आपराधिक धमकी देने और जबरन वसूली करने में शामिल था। यह मामला दिल्ली के द्वारका में रहने वाले भारतीय रेलवे के एक रिटायर्ड कर्मचारी से जुड़ा था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि एटीएस, एनआईए और आरबीआई के अधिकारी होने का नाटक करने वाले अज्ञात आरोपियों ने उसे दिल्ली में लाल किले पर हुए धमाके से जुड़े टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गलत तरीके से फंसाया और गिरफ्तारी की धमकी दी। व्हाट्सएप वीडियो कॉल, नकली सरकारी

दस्तावेज, डराने धमकाने और मानसिक दबाव के जरिए उर पैदा करके ठगों ने शिकायतकर्ता को 30 लाख रुपये उनके कंट्रोल वाले बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया था। जांच के दौरान पता चला कि ठगी गई रकम में से 15 लाख रुपये श्री बालाजी ट्रैक्टर के नाम वाले बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए गए थे। जांच में आरोपी सुनील सिंगला की भूमिका का पता चला, जिसे बाद में इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। आगे यह भी पता चला कि उस बैंक अकाउंट में संदिग्ध रूप से बड़ी रकम का लेन-देन हुआ था और वह अलग-अलग राज्यों में इसी तरह के कई साइबर धोखाधड़ी मामलों से जुड़ा था। आरोपी को पहले भी स्पेशल सेल की आईएफएसओ द्वारा भी एक साइबर धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

रक्षा मंत्रालय की अधिकारी ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। द्वारका के मरथल गांव ने रक्षा मंत्रालय में सहायक अनुज्ञाग अधिकारी (एसएसओ) के पद पर कार्यरत 30 वर्षीय महिला ने अज्ञात कारणां के मकान में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। सात महीने पहले उनकी शादी हुई थी। मृतका के माता-पिता ने पति और ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मामले की एसडीएम जांच को जा रही है। पुलिस के अनुसार नाजिया खानम का शव 21 अगस्त की तड़के 4.21 बजे मरथल गांव स्थित एक फ्लैट में पंखे से लटका मिला था। उनकी शादी 11 अप्रैल को मोहम्मद आजम अली खान से हुई थी। खानम के परिवार के सदस्य 21 अगस्त को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश हुए और लिखित बयान दिए, लेकिन उस समय उन्होंने अपनी बेटी के ससुराल वालों को खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया था। हालांकि 22 अगस्त को खानम के माता-पिता फिर से एसडीएम के समक्ष पेश हुए दोबारा बयान दर्ज करवाया और एक शिकायत दी। इसमें उन्होंने बेटी के पति और ससुराल के अन्य सदस्यों पर आरोप लगाए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने 22 अगस्त को सेक्टर-23 द्वारका थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की। पिता ने आरोप लगाया कि खानम को उसके पति, सास समीमून निशा और ससुर बाबर अली खान द्वारा लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। शिकारत में आरोप लगाया गया कि ससुराल वाले उसके साथ दुर्व्यवहार व मारपीट करते थे। शिकायत में यह भी कहा गया कि खानम करीब तीन महीने की गर्भवती थी और उन्होंने कथित प्रताड़ना के बारे में फोन पर अपने परिवार को बताया था। पुलिस ने बताया कि आजम ने जांचकर्ताओं को बताया कि घटना से पहले दंपति के बीच बहस हुई थी। केस में दर्ज आजम के बयान के अनुसार, खानम ने कथित तौर पर उसे एक कमरे में बंद कर दिया और फिर दूसरे कमरे में चली गई। इसके बाद आजम ने मकान मालिक को सूचना दी, जिसने उसे कमरे से बाहर निकालने में मदद की। पुलिस के अनुसार, इसके बाद खानम का शव पंखे से लटका मिला।

सामान्य से नीचे रहा तापमान

राजधानी में झमाझम बारिश ने दी उमस से राहत, जलभराव ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

कई दिनों से उमस के कारण दिल्ली वाले परेशान थे, लेकिन वीकेंड यानी रविवार को कई क्षेत्रों में हुई झमाझम बारिश ने लोगों का राहत दी। अधिकतम व न्यूनतम, दोनों श्रेणी में तापमान सामान्य से नीचे दर्ज हुआ। प्रादेशिक मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस नीचे है। वहीं न्यूनतम तापमान रहा 25.9 डिग्री जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। लेकिन बारिश के चलते कई जगहों पर जलभराव ने



लोगों के लिए परेशानियां भी खड़ी कर दी। प्रादेशिक मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार शनिवार को कई क्षेत्रों में हल्की बारिश दर्ज हुई थी। जबकि रविवार

को दिल्ली की सफदरजंग वेधशाला में औसतन 3.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार रविवार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे के बीच

को दिल्ली की सफदरजंग वेधशाला में औसतन 3.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने कहा कि फिलहाल तापमान में एक दो डिग्री का ही फर्क देखने को मिल सकता है।

दिल्ली देहात के किसान 4 सितंबर को जंतर-मंतर पर करेंगे आंदोलन

कंझावला महापंचायत में ऐलान



हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली देहात के कंझावला में कृषि भूमि के उचित मुआवजे के लिए आंदोलनरत किसानों ने ऐलान किया है कि अगर सरकार ने उनकी मांगों नहीं मानी तो आगामी 4 सितंबर को जंतर मंतर पर आवाज बुलंद की जाएगी। कंझावला में रविवार को हुई महापंचायत में किसानों ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि हम आरपार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं और अपना हक किसी भी कीमत पर लेकर रहेंगे।

गौरतलब है कि यूईआर 2 को कटरा एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के लिए कंझावला क्षेत्र के सात गांवों से सड़क सड़क निकालने की प्रक्रिया चल रही है। किसान नेता सत्यवान ने बताया कि कृषि भूमि के अधिग्रहण की एवज में मिलने वाले मुआवजे से प्रभावित किसान संतुष्ट नहीं हैं और वे 25 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा चाहते हैं। इसके अलावा एक प्लॉट और प्रभावित किसान परिवार को एक सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि 18 साल पुराने सर्किल रेट पर सरकार मुआवजा देना चाहती है जो न्यायसंगत नहीं है।

महापंचायत में दिल्ली देहात के दूर-दराज के गांवों सहित अनेक सामाजिक एवं किसान संगठनों ने पहुंचकर आंदोलन को अपना समर्थन दिया। किसान संगठनों का कहना था कि उचित मुआवजे की ये लड़ाई सिर्फ कंझावला इलाके के सात गांवों की नहीं है बल्कि पूरा दिल्ली देहात इससे प्रभावित है।

- 25 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से कृषि भूमि का मुआवजा चाहते हैं किसान, 18 साल पुराना सर्किल रेट स्वीकार नहीं
- यूईआर-2 को कटरा एक्सप्रेस-वे से जोड़ने वाली सड़क परियोजना से प्रभावित कंझावला क्षेत्र के सात गांवों के किसान दे रहे हैं धरना

दिल्ली में 2008 में कृषि भूमि का सर्किल रेट तय हुआ था, 18 साल बीत जाने के बावजूद सर्किल रेट में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है जबकि जमीन का मार्किट मूल्य कई करोड़ रुपये हो चुका है।

आम आदमी पार्टी के पूर्व राज्यसभा सदस्य सुशील गुप्ता ने महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार दिल्ली के किसानों का शोषण करने पर तुली है। उन्होंने कहा कि मामूली कीमतों के आधार पर किसान को मुआवजा देने की साजिश को बढ़ाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ नरेश कुमार ने कहा कि किसानों के आंदोलन में उनकी पार्टी कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि किसान सरकार से कोई भीख नहीं मांग रहे हैं, बल्कि अपना हक मांग रहे हैं।

महापंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 4 सितंबर को जंतर-मंतर पहुंचकर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। साथ ही कमेटी दिल्ली देहात के गांव-गांव में छोटी बैठकें कर ग्रामीणों को आंदोलन से जोड़ेगी।

सरकार लागू करेगी 'ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स एक्ट' दिल्ली की जेलों से दूसरे राज्यों में शिफ्ट किए जाएंगे गैंगस्टर : रेखा

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली



दिल्ली सरकार ने राजधानी की जेलों में बंद विचाराधीन गैंगस्टर्स, संगठित अपराधियों और अधिक जोखिम (हाई रिस्क) वाले कैदियों को जरूरत पड़ने पर दूसरे राज्यों की जेलों में स्थानांतरित करने की योजना तैयार कर ली है। इसके लिए सरकार 'ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब एमेडमेंट) एक्ट, 2025' को दिल्ली में लागू करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इसका उद्देश्य जेल सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए ऐसे कैदियों के अंतरराज्यीय स्थानांतरण को संभव बनाना और संगठित अपराध से निपटने में राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव के तहत संबंधित राज्यों की आपसी सहमति अथवा गृह मंत्रालय की स्वीकृति से विचाराधीन गैंगस्टर्स, संगठित अपराधियों और अन्य अधिक जोखिम वाले कैदियों को एक राज्य से दूसरे राज्य की जेल में स्थानांतरित किया जा सकेगा। इससे आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने और

जेलों के बेहतर प्रबंधन में भी मदद मिलने की उम्मीद है। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में 'ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब एमेडमेंट) एक्ट, 2025' का विस्तार किए जाने से विचाराधीन गैंगस्टर्स और अन्य हाई-रिस्क कैदियों के अंतरराज्यीय स्थानांतरण के लिए एक प्रभावी कानूनी व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। इससे जेल सुरक्षा और प्रबंधन मजबूत होने के साथ-साथ संगठित अपराध के खिलाफ राज्यों के बीच समन्वय और आपराधिक न्याय प्रणाली की कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। सीएम ने बताया कि दिल्ली की जेलों में दोषियों के साथ बड़ी संख्या में कठोर और कुख्यात अपराधी विचाराधीन कैदी के रूप में बंद हैं। मई 2026 में दिल्ली में 26 चिन्हित गिरोंहों के 188 सदस्य

‘21 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति की मिली थी मंजूरी’

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस कानूनी कमी को दूर करने के लिए पंजाब सरकार ने 'ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब एमेडमेंट) एक्ट, 2025' पेश किया था। इस संशोधन अधिनियम को 21 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी। संशोधन के तहत सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने अथवा जनहित में विचाराधीन कैदियों को भी एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने का प्रावधान किया गया है। न्यायिक कार्यवाही, जहां आवश्यक हो। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023' के प्रावधानों के अनुसार की जाएगी। इसी संशोधित व्यवस्था को दिल्ली में लागू करने के लिए सीएम ने गैंगीर और अधिक जोखिम वाले विचाराधीन कैदियों को परिस्थितियों के अनुरूप दूसरे राज्यों की जेलों में स्थानांतरित किया जा सकेगा।

‘जेल के भीतर गैंगवार पर भी लगेगी रोक’

कुछ कठोर विचाराधीन अपराधी दिल्ली की जेलों में उपलब्ध कल्याणकारी और सुधारात्मक व्यवस्थाओं का दुरुपयोग कर चुनवाई की प्रक्रिया को प्रभावित करने तथा अपनी आपराधिक गतिविधियों को बढ़ाने की कोशिश करते हैं। जेल में रहते हुए भी वे स्थानीय नेटवर्क और दूसरे गिरोंहों से संपर्क का इस्तेमाल कर अपने गठजोड़ को विस्तार दे सकते हैं। ऐसे कैदियों के बीच गैंगवार और बदले की कार्रवाई के भी उदाहरण सामने आते रहते हैं। दिल्ली सरकार का मानना है कि ऐसे कठोर और कुख्यात विचाराधीन कैदियों को दिल्ली से बाहर की जेलों में स्थानांतरित करने से गवाहों को प्रभावित करने और मुकदमे की कार्यवाही को बाधित करने की उनकी क्षमता कम की जा सकती है। साथ ही, उनकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाकर नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और सर्पा के लिए पैदा होने वाले गंभीर खतरे को भी कम किया जा सकता है।

चिन्हित किए गए थे, जिनमें से 107 गैंगस्टर्स को गिरफ्तार किया गया था। ऐसे कठोर विचाराधीन कैदी जेल के भीतर से भी लक्षित हथ्वा, रंगदारी, गैंग प्रतिद्वंद्विता, धमकी और संगठित आपराधिक साजिश

जैसी हिंसक गतिविधियों में शामिल रहते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान व्यवस्था में ऐसे विचाराधीन गैंगस्टर्स और कुख्यात अपराधियों को दिल्ली की जेलों से दूसरे राज्यों में स्थानांतरित करना संभव नहीं है।

‘मॉडल जेल कानून में भी स्थानांतरण का प्रावधान’

मुख्यमंत्री के अनुसार, 'मॉडल प्रिजन एंड करेक्शनाल सर्विसेज एक्ट, 2023' की धारा 20 के अनुसार किसी राज्य की जेल में कारावास की सजा या मृत्युदंड मुग्त रहे व्यक्ति अथवा जुर्मना अदा न करने या शांति बनाए रखने अथवा अच्छे आचरण के लिए सुरक्षा देने में विफल रहने के कारण बंद व्यक्ति को उस राज्य की सरकार, किसी अन्य राज्य की सरकार की आपसी सहमति से आदेश द्वारा कैदी को दूसरे राज्य की किसी जेल में स्थानांतरित कर सकती है। धारा 20 में विचाराधीन कैदी के एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरण का भी प्रावधान है। इसके लिए ट्रायल कोर्ट की सहमति आवश्यक बताई गई है।

'ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स एक्ट, 1950' के अंतर्गत स्थानांतरण का प्रावधान केवल दोषसिद्ध कैदियों के लिए है। वहीं, विचाराधीन कैदी संबंधित ट्रायल कोर्ट के विशेष निर्मांड वारंट के अंतर्गत रखे जाते हैं और उनके स्थानांतरण की व्यवस्था 'प्रिजनर्स एक्ट, 1900' के तहत होती है, जो केवल राज्य के भीतर कैदियों के स्थानांतरण की अनुमति देता है।

एनडीएमसी में सीवर ब्लॉक की 222 शिकायतें दर्ज, 30 लंबित

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं और रखरखाव को लेकर शिकायतों का सिलसिला लगातार जारी है। एनडीएमसी में ऑनलाइन दर्ज शिकायतों के आंकड़े के अनुसार 1 अगस्त से 23 अगस्त तक बिजली, जलभराव, सीवर जाम और मच्छरों के प्रकोप से जुड़ी शिकायतों की संख्या सबसे अधिक दर्ज की गई है।हालांकि, अधिकांश मामलों में निपटारे का दावा किया गया है, लेकिन कई विभागों में पोंडिंग मामलों की संख्या अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार मानसून और बदलते मौसम के बीच मच्छरों से निपटने के लिए मलेरिया फॉगिंग व स्प्रे से संबंधित कुल 321 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 307 का निपटारा हो चुका है। इसके अलावा, सीवर ब्लॉक की 222 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 30 मामले अभी भी अटके

हुए हैं। पेड़ों की छंटाई को लेकर 163 आवेदन आए, जिनमें से 147 का समाधान कर दिया गया है। वहीं एनडीएमसी बिल्डिंग मेटेंसेस की 101 शिकायतों में से 18 लंबित हैं। वहीं सड़कों पर फैले मलबे की 74, टूटे फुटपाथों की 64, जलभराव की 57 और गड्ढों की 40 शिकायतें दर्ज की गईं। आंकड़ों के मुताबिक, बिजली आपूर्ति ठप होने से जुड़ी सबसे ज्यादा 408 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 385 का समाधान कर लिया गया है, जबकि 24 मामले अभी भी लंबित हैं। वहीं, स्ट्रीट लाइट बंद होने से जुड़ी 189 शिकायतें सामने आईं, जिनमें से 27 पर काम होना बाकी है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत खुले में कचरा जलाने के 8 मामले दर्ज हुए, जिनमें से 6 का समाधान कर लिया गया है और 2 मामले अभी लंबित हैं। इसके अतिरिक्त, आवारा कुत्तों से जुड़ी 60 और बंदरों के आतंक की 25 शिकायतें दर्ज की गई हैं।

भाजपा सरकार चीनी सहित आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों को करे नियंत्रित : यादव

नई दिल्ली। खुदरा बाजार में चीनी के दाम 70 रुपए तक पहुंचने पर कांग्रेस ने भाजपा सरकार से मांग की है कि सरकार चीनी सहित आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए, जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्ती करे तथा आम आदमी को राहत देने के लिए प्रभावी मूल्य नियंत्रण व्यवस्था लागू करे। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने रविवार को कहा कि चीनी के लगातार बढ़ते दाम और महंगाई ने साधारण, मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के दाम बढ़ने से लोगों के घर का बजट बिगड़ रहा है, लेकिन सरकार महंगाई पर लगाम लगाने के बजाय जनता की परेशानियों के प्रति आंखें मूंदे बैठी है। यादव ने कहा कि चीनी जैसी आवश्यक वस्तु के दाम में बढ़ोतरी सौध तौर पर आम परिवार की रसोई को प्रभावित करती है।

शाहबाद डेरी क्षेत्र की बहनों ने इन्द्राज को बांधी राखी



हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और आत्मीय संबंधों की मजबूती का प्रतीक है। यह पर्व केवल एक-दूसरे के प्रति स्नेह व्यक्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्मान, जिम्मेदारी और आवश्यकता के समय एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की भावना को भी मजबूत करता है।

रक्षाबंधन पर्व को लेकर बवाना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पुठ खुर्द गांव में विशेष कार्यक्रम के आयोजन के अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं बवाना विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने यह संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में ऐसे पर्व आपसी सद्भाव, सामाजिक एकजुटता और परिवार एवं समाज में सम्मान की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस विशेष कार्यक्रम में शाहबाद डेरी क्षेत्र की सैकड़ों बहनों ने दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह को राखी बांधी और उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि शाहबाद डेरी की बहनों से राखी बंधवाकर उनका स्नेह, अपनत्व और आशीर्वाद प्राप्त करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। बहनों का प्रेम और विश्वास इस पावन अवसर को विशेष बनाता है और जनसेवा के प्रति हमारे संकल्प को और मजबूत करता है।

मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने भी सभी बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और उनके स्नेह एवं आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बवाना की बहनों का यह स्नेह और विश्वास उनके लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रही थी वेश्यावृत्ति, दो प्रबंधक गिरफ्तार

नई दिल्ली।। कालकाजी इलाके में स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे वेश्यावृत्ति के धंधे का खुलासा पुलिस ने किया है। इस सिलसिले में स्पा सेंटरों के दो प्रबंधकों को गिरफ्तार किया गया है। सेंटरों से 21 महिलाएं भी निकाली गईं, जिनमें से कुछ अपनी मर्जी और कुछ गैर मर्जी से इस धंधे में शामिल हुई थी। पुलिस के अनुसार कथित देह व्यापार की गतिविधियों की सूचना के बाद दिल्ली पुलिस ने दो स्पा सेंटरों पर शनिवार को छापेमारी की। छापेमारी से पहले पुलिस टीम ने दोनों स्पा सेंटरों में अलग-अलग नकली ग्राहक भेजे। सेंटरों के दो प्रबंधकों को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस ने बताया कि बाहर निकाली गई महिलाओं को चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया है और कानून के अनुसार उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

विशेष आईएसओ प्रमाणन हासिल करने वाला भारत का पहला मेट्रो संगठन बना डीएमआरसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) ने दावा किया है कि उसने आईएसओ 55001:2024 प्रमाणन हासिल करने वाला भारत का पहला मेट्रो संगठन बन गया है। डीएमआरसी के अनुसार मुंबई मेट्रो लाइन-3 के एसेट मैनेजमेंट सिस्टम के लिए आईएसओ 55001:2024 प्रमाणन हासिल कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। इस वर्ग में डीएमआरसी को परिसंपत्ति प्रबंधन के इस नवीनतम अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप प्रमाणित किया गया है। यह उपलब्धि केवल एक प्रमाणन नहीं, बल्कि मेट्रो परिसंपत्तियों के प्रबंधन में रोकथाम आधारित अनुरक्षण से आगे बढ़कर रणनीतिक, जोखिम-आधारित और जीवन-चक्र आधारित परिसंपत्ति प्रबंधन की दिशा में डीएमआरसी की महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है। इस विशेष आईएसओ प्रमाणन के तहत परिसंपत्तियों का प्रबंधन केवल उनके अनुरक्षण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि प्रदर्शन, जोखिम, लागत और दीर्घकालिक जीवन-चक्र को संगठन के समग्र उद्देश्यों के साथ जोड़कर किया जाता है। इससे परिसंपत्तियों की विश्वव्यापीयता एवं उपलब्धता बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों के बेहतर उपयोग और दीर्घकालिक लागत-प्रभावशीलता में भी सहायता मिलती है। डीएमआरसी ने यह प्रमाणन रिकॉर्ड समय में हासिल किया है। इसके लिए एसएसएमपी को मजबूत करने, परिसंपत्ति प्रबंधन के उद्देश्यों को संगठनात्मक प्राथमिकताओं से जोड़ने, जोखिम आकलन एवं जीवन-चक्र नियंत्रणों को सुदृढ़ करने तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया। परिसंपत्ति प्रबंधन व्यवस्था की निरंतर निगरानी केपीएल, ऑडिट और प्रबंधन समीक्षा के माध्यम से की जा रही है।

‘दिल्ली में अब तक 50 लाख से अधिक लगाए पौधे’

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार का हरित अभियान दिल्ली में गति पकड़ रहा है और इसके तहत 70 लाख पौधे लगाने के लक्ष्य की दिशा में अब तक 50 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य, परिवहन और आईटी मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र विकासपुरी के कुंवर सिंह नगर स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में स्थानीय नागरिकों के साथ पौधारोपण अभियान के दौरान यह बात कही। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राजधानी दिल्ली में



70 लाख पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। नागरिकों और विभिन्न हितधारकों की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। सामूहिक प्रयासों के माध्यम से दिल्ली में अब तक 50 लाख से

अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने कहा कि पौधारोपण अभियान केवल पेड़-पौधों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि लगाए गए पेड़-पौधों के दीर्घकालिक संरक्षण, उचित सुरक्षा, नियमित सिंचाई और

■ विकासपुरी क्षेत्र में शहीद भगत सिंह पार्क में हुआ पौधारोपण

देखभाल को सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि राजधानी दिल्ली को और अधिक हरा-भरा, स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के लिए जन-भागीदारी बेहद आवश्यक है। मंत्री ने पौधारोपण अभियान में स्थानीय निवासियों की सक्रिय भागीदारी की भी जमकर सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की सामुदायिक पहल दिल्ली को हरा-भरा बनाने के सामूहिक संकल्प को और मजबूत करती हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में अब सीधे मिलेगा दाखिला

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में स्नातक (यूजी) की सीट पात्रों से चूक गए छात्रों के लिए राहत की खबर है। सीयूईटी यूजी के जरिए दाखिला नहीं मिल पात्रे वाले उम्मीदवारों को अब एक और मौका मिलने जा रहा है। डीयू के कुछ कॉलेजों में खाली बची यूजी सीटों को भरने के लिए 12 वीं कक्षा में मिले अंकों के आधार पर दाखिला देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बार खास बात यह है कि छात्रों को दाखिले के लिए सीयूईटी स्कोर के बजाय 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर मौका दिया जाएगा। हालांकि, दाखिला का पूरा फैसला संबंधित कॉलेज की मेरिट और खाली सीटों की संख्या पर निर्भर करेगा। डीयू से मिली जानकारी के अनुसार, डीयू के दर्जनों कॉलेजों में अभी सीटें खाली हैं। इन सीटों को भरने के लिए कॉलेज अपने स्तर पर आवेदन प्रक्रिया शुरू करेंगे। डीयू प्रशासन ने डीयू की वेबसाइट पर नजर बनाए रखने की सलाह दी है। डीयू प्रशासन के अनुसार, कॉलेज छात्रों की 12वीं की मार्कशीट और उपलब्ध सीटों के आधार पर चयन करेगा। आवेदन करते समय अग्रथितियों को मार्कशीट समेत जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे। हालांकि, हर कॉलेज अपने कोर्स के हिसाब से अलग-अलग योग्यता और नियम तय कर सकता है।

पौधा लगाने के साथ उनकी देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी : चहल

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

पौधा लगाना केवल शुरुआत है। असली जिम्मेदारी उसकी देखभाल करने और उसे बढ़ा पेड़ बनाने की है। पौधे को समय पर पानी देना, उसकी सुरक्षा करना और नियमित रूप से उसकी देखभाल करना जरूरी है। यह बातें रविवार को नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने पौधरोपण करने के अवसर पर कही। गौरतलब है कि एनडीएमसी ने लगातार 38वें रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम ऑन संडे' अभियान जारी रखा। इस रविवार को एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल के नेतृत्व में नई दिल्ली के मल्टी स्टोरी एनडीएमसी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, अलीगंज में बड़ी संख्या में युवाओं, स्थानीय निवासियों, महिलाओं, बच्चों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों तथा एनडीएमसी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पौधारोपण अभियान



में भाग लिया। इस अवसर पर लोगों ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान भावनाओं और पर्यावरण को एक साथ जोड़ता है। जिस तरह एक मां अपने बच्चों की देखभाल करती है, उसी तरह हमें भी लगाए गए पौधे की देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे पौधा लगाएं, पौधे को रक्षा करें, और पौधे को बड़े बनाएं। कार्यक्रम के दौरान

■ लगातार 38वें रविवार को युवाओं, स्थानीय निवासियों, आरडब्ल्यूए सदस्यों और एनडीएमसी कर्मचारियों ने किया पौधारोपण

स्थानीय निवासियों और आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने क्षेत्र से जुड़ी कुछ नागरिक समस्याएं भी चहल के सामने रखीं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे पौधा लगाएं, पौधे को रक्षा करें, और पौधे को बड़े बनाएं। कार्यक्रम के दौरान

स्थानीय लोगों ने की तत्काल कार्रवाई की मांग शाहबाद मोहम्मदपुर गांव: स्कूल के बाहर गंदगी और कूड़े ढेर, स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के अंतर्गत आने वाले 'शाहबाद मोहम्मदपुर गांव स्थित सर्वोदय बाल विद्यालय' के आसपास गंदगी और मलबे के ढेर से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी वीर ने स्कूल के आसपास फैली गंदगी और मलबे की ओर संबंधित विभाग का ध्यान आकर्षित करते हुए तत्काल सफाई कराने की मांग की है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, विद्यालय के आसपास भारी मात्रा में कूड़ा और निर्माण संबंधी मलबा पड़ा हुआ है। स्कूल परिसर के आसपास इस तरह की स्थिति से विद्यार्थियों को असुविधा होने के



साथ-साथ स्वच्छता और सुरक्षा को लेकर भी चिंता पैदा हो रही है। स्कूल में रोजाना बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ाई के लिए पहुंचते हैं, ऐसे में विद्यालय के आसपास साफ-सफाई का बेहतर इंतजाम होना जरूरी है। एक ओर राजधानी में स्वच्छता को लेकर विभिन्न

अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विद्यालय जैसे संवेदनशील स्थान के आसपास गंदगी और मलबे का जमा होना स्वास्थ्य पर खतरा पैदा कर रहा है। लंबे समय तक कूड़ा और मलबा पड़ा रहने से दुर्गंध, कीट-पतंगों और अन्य स्वास्थ्य

संबंधी समस्याओं की आशंका बनी रह सकती है। स्थानीय निवासी वीर ने संबंधित विभाग से मांग की है कि मौके का तत्काल निरीक्षण कराया जाए और स्कूल के आसपास जमा

‘स्कूल प्रबंधन समिति से भी हस्तक्षेप की अपील’
स्थानीय लोगों ने विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित रहने वाले स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों से भी इस समस्या का संज्ञान लेने और संबंधित विभाग के समक्ष मामला उठाने की अपील की है। उनका कहना है कि स्कूल के आसपास स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना विद्यार्थियों के हित में बेहद जरूरी है।
‘बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की मांग’
स्थानीय निवासियों का कहना है कि बच्चों के शिक्षा ग्रहण करने वाले स्थान के आसपास गंदगी और मलबे का जमाव किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। संबंधित विभाग को शिकायत का हतजार करने के बजाय स्कूलों के आसपास नियमित निरीक्षण और सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके। निवासियों ने मांग की है कि संबंधित विभाग तत्काल मौके का निरीक्षण कर गंदगी और मलबे को हटाए तथा विद्यालय के आसपास नियमित सफाई की रणनीति व्यवस्था सुनिश्चित करे।

खबर संक्षेप

मानव सुपर-21 में 19 छात्रों का चयन



फरीदाबाद। मानव सेवा समिति द्वारा संचालित मानव सुपर 21 में कोचिंग के लिए रविवार को मानव भवन सेक्टर-10 में चयन परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें 10 वीं के 29 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मानव सेवा समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा व मानव सुपर 21 के संयोजक सुभाष शर्मा ने कहा है कि परीक्षा परिणाम के आधार पर शुरू के टॉपर 19 विद्यार्थियों की शिक्षक दिवस 5 सितंबर से कोचिंग शुरू की जाएगी। रोशनलाल बोरड ने कहा है कि कोचिंग एक्सपर्ट प्रोफेसर सुभाष शर्मा, के एल दुआ, एनके गर्ग, सौरभ अरोड़ा, राजेश कुमार, विवेक भाटिया, गौरव अदलखा, तुषार आदि मानव सुपर 21 में अपनी निशुल्क सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। मानव सुपर 21 में निशुल्क कोचिंग लेने के बाद अब तक सात छात्रों का आईआईटी कॉलेज में, 2 छात्रों का मेडिकल कॉलेज में, 2 का एनडीए में चयन हुआ है ।

मेरठ के व्यापारी के पुत्र से 25 लाख की लूट

गाजियाबाद। गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसपरे वर शुक्रवार की रात में हथियारबंद बदमाशों ने मेरठ के कारोबारी से 25 लाख रुपए की नगदी लूट ली और फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि शुक्रवार की रात्रि लगभग 8:00 बजे थाना वेव सिटी पर सूचना प्राप्त हुई कि गिलमान पुत्र नईमुद्दीन निवासी लोहिया नगर मेरठ अपने कुछ साथियों के साथ थार गाड़ी में कुछ कैश लेकर जा रहे थे। एक पूर्व-नियोजित योजना के तहत मेरठ से ही एक स्कॉर्पियो गाड़ी द्वारा उनका पीछा किया जा रहा था। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर उन्हें डरा-धमकाकर तथा गाड़ी रुकवाकर उनसे कैश छीन लिया गया।

इनेलो जिला कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

ताऊ देवीलाल ने सदैव गरीब, दलित व पिछड़े वर्गों के हितों के लिए किया संघर्ष: रुपचंद लाम्बा

हरिभूमि न्यूज़ ►►फरीदाबाद

ईंडियन नेशनल लोकदल जिला कार्यकारिणी की बैठक रविवार को इनेलो जिलाध्यक्ष रुपचंद लाम्बा की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सेक्टर-11 में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 5 सितंबर 2026 को मोहना अनाजमंडी में इनेलो सुप्रिमी चौ. अभय सिंह चौटाला के आगमन को लेकर विचार विमर्श किया गया।

इनेलो जिलाध्यक्ष रुपचंद लाम्बा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी पूर्व उपप्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल की जयंती 27 सितंबर को नूंह में सम्मान समारोह के रुप में मनाई जाएगी और इसी आयोजन के संदर्भ में चौ. अभय सिंह चौटाला आगामी 5 सितंबर को मोहना अनाजमंडी में आयोजित कार्यक्रम में आएंगे और लोगों को 27 सितंबर को नूंह में आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रण देंगे। लाम्बा ने कहा कि नूंह में आयोजित कार्यक्रम का सफल बनाने में कोई कोर कसर बाकि नहीं छोड़ेंगे। बैठक में पूर्व एसडीएम प्रताप सिंह, देवेंद्र तेवतिया, जीत सिंह डागर, जगजीत कौर पन्नु, बाँबी डागर, सुमेश चंदीला, सुंदर पाटिल, सुरेश मोर, अजय सिंह, प्रथम सूबेदार, रोहित अत्री सहित अनेकों इनेलो कार्यकर्ता मौजूद थे।



लिफे वह सदैव लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगे। रुपचंद लाम्बा ने 5 सितंबर को मोहना में आयोजित कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं की इ्युटियां लगाई और उन्हें दिशा-निर्देश दिए कि इस आयोजन में सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर अपना योगदान दें। बैठक में सभी इनेलो पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में जिलाध्यक्ष रुपचंद लाम्बा को विश्वास दिलाया कि वह 5 सितंबर के साथ-साथ ताऊ देवीलाल जयंती कार्यक्रम को सफल बनाने में कोई कोर कसर बाकि नहीं छोड़ेंगे। बैठक में पूर्व एसडीएम प्रताप सिंह, देवेंद्र तेवतिया, जीत सिंह डागर, जगजीत कौर पन्नु, बाँबी डागर, सुमेश चंदीला, सुंदर पाटिल, सुरेश मोर, अजय सिंह, प्रथम सूबेदार, रोहित अत्री सहित अनेकों इनेलो कार्यकर्ता मौजूद थे।

सरकार पर लगाए दलित विरोधी होने के आरोप

निगम कर्मचारियों की चल रही हड़ताल को कर्मचारी, मजदूर, दलित संगठनों, एवं सामाजिक धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने किया समर्थन

हरिभूमि न्यूज़ ►►फरीदाबाद

कर्मचारी, मजदूर, दलित संगठनों, एवं सामाजिक धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने किया सफाई कर्मियों की हड़ताल का समर्थन। सरकार पर लगाए दलित विरोधी होने के आरोप। नगर निगम मुख्यालय पर हड़ताल के 18वें दिन सफाई कर्मचारियों ने किया महापंचायत का आयोजन शहर की आरडब्ल्यूए एसोसिएशन, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं को आमंत्रित किया। आज की महापंचायत की अध्यक्षता संघ के जिला प्रधान दलीप बोहत ने की संचालन जिला सचिव अनिल चिंडालिया ने किया।

मुख्य वक्ता के रूप में नगर पालिका कर्मचारी संघ राज्य के प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, कांग्रेसी नेता एवं पूर्व

खास बातें

■

ननि मुख्यालय पर 18 वें दिन सफाई कर्मचारियों ने किया महापंचायत का आयोजन

■

महापंचायत की अध्यक्षता प्रधान दलीप बोहत ने दी

मेयर अशोक अरोड़ा के पुत्र भरत अरोड़ा, हेमलता शर्मा, आर एन सिंह नेता एटक, जगदीश अधना, प्रधान आरडब्ल्यूए- सेक्टर-2, अंश वत्स युवा कांग्रेसी नेता,



हुकमचंद बैनीवाल नेता इंटेक, कुंवरपाल आदिवासी, जगदीश वाल्मीकि नेता सेहतपुर, शेरसिंह प्रधान डॉ अंबेडकर सामाजिक एकता मंच, वीरेन्द्र डंगवाल



खुले दरबार में गेस्ट टीचरों के प्रतिनिधियों ने मंत्री राजेश नागर को सौंपा ज्ञापन

नियमित छठ घाट को लेकर आई शिकायत का तुरंत किया निराकरण

हरिभूमि न्यूज़ ►►फरीदाबाद

हरियाणा के करीब 12 हजार गेस्ट टीचरों को नियमित करने की मांग आज मंत्री राजेश नागर के खुले दरबार में पहुंची। गेस्ट टीचर के प्रतिनिधियों ने हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर को इस बारे में ज्ञापन सौंपा। गेस्ट टीचरों ने उन्हें बताया कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश को जल्द से जल्द

आचार्य बालकृष्ण ने शिक्षा के जरिए युवा पीढ़ी को संस्कार और सही मार्गदर्शन देने की जरूरत पर दिया जोर

जेन जी की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप विश्वविद्यालयों को भी बदलना होगा: बालकृष्ण

फ्रॉम विजन् टू रियलिटी के लॉन्च पर शिक्षा जगत के वरिष्ठ लोगों ने 20 विश्वविद्यालय संस्थापकों के अनुभवों और सीख पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ►►फरीदाबाद

जेन जी की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप विश्वविद्यालयों को बदलने और युवाओं को सही दिशा देने की जरूरत के साथ उच्च शिक्षा में पहुंच, गुणवत्ता, शोध और प्रासंगिकता पर मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज में चर्चा हुई। आचार्य बालकृष्ण, कुलाधिपति पतंजलि विश्वविद्यालय सहित शिक्षा जगत के वरिष्ठ लोगों ने युवा पीढ़ी को सही सीख और मार्गदर्शन देने, बदलती जरूरतों के अनुरूप शिक्षा को तैयार करने और प्राइवेट विश्वविद्यालयों की बढ़ती भूमिका पर अपने विचार रखे।

प्रो. भूषण पटवर्धन और डॉ. पंकज मित्तल द्वारा सह-लिखित पुस्तक फ्रॉम विजन् टू रियलिटी, इंस्पारिंग स्टोरीज ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटी फाउंडर्स के लॉन्च के अवसर पर मानव रचना में आयोजित वाइस चांसलर्स कॉन्क्लेव 2026 में इन विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। आचार्य बालकृष्ण, प्रो. भूषण पटवर्धन और डॉ. पंकज मित्तल ने कहा कि जेन जी को लेकर एक ही नजरिया नहीं रखी जा सकती। देश के युवा प्रतिभाओं से भरे हैं और उनमें अपार क्षमता है। जरूरत उन्हें सही दिशा और अवसर देने की है, ताकि उनकी प्रतिभा और ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा जा सके। इस दौरान प्रो. भूषण पटवर्धन, नेशनल रिसर्च



प्रोफेसर, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. श्रीमती पंकज मित्तल, महासचिव, एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज, डॉ. प्रशांत भल्ला प्रेसिडेंट मानव रचना एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स, डा. पी के गुप्ता, चांसलर शारदा यूनिवर्सिटी और देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर्स ने भारत में उच्च शिक्षा के विस्तार, प्राइवेट विश्वविद्यालयों की भूमिका और बदलती पीढ़ी की जरूरतों पर भी अपने विचार सांझा किए।

यहां बता दें कि फ्रॉम विजन् टू रियलिटी, इंस्पारिंग स्टोरीज ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटी फाउंडर्स में भारत के 20 विश्वविद्यालय संस्थापकों की यात्राओं को शामिल किया गया है। पुस्तक इन संस्थानों के पीछे की सोच, उनके संस्थापकों के सामने आई चुनौतियों और उनके विचारों के विश्वविद्यालयों का रूप लेने की कहानी सामने लाती है। चर्चा में इस बात पर

विचार किया गया कि अगले दस वर्षों में एक सफल भारतीय विश्वविद्यालय की पहचान क्या होगी, निजी विश्वविद्यालयों की बढ़ती जिम्मेदारी, विस्तार के साथ गुणवत्ता बनाए रखने और बदलती तकनीक एवं छात्रों की अपेक्षाओं के अनुरूप विश्वविद्यालयों को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए क्या जरूरी है। विश्वविद्यालय संस्थापकों और शिक्षा जगत के वरिष्ठ लोगों ने इस पर भी अपने अनुभव साझा किए कि निजी उच्च शिक्षा किस तरह ज्यादा करने और बदलती जरूरतों के अनुरूप संस्थानों के निर्माण में योगदान दे सकती है। प्रो.भूषण पटवर्धन सह.लेखक ने कहा कि भारत में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय बने हैं, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि कुछ संस्थान दशकों तक अपनी पहचान और प्रासंगिकता कैसे बनाए रखते हैं।

समय के साथ आगे बढ़े: डॉ. पंकज मित्तल

यह पुस्तक उनके शुरुआती वर्षों में जाकर उन चुनौतियों, फैसलों और विकल्पों को समझने का प्रयास करती है जिन्होंने उनकी यात्रा को आकार दिया। ये 20 कहानियां बताती हैं कि अलग-अलग परिस्थितियों में शुरू हुए संस्थानों ने दूरदृष्टि, निरंतर प्रयास और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता के साथ अपनी जगह बनाई। ये यात्राएं इस बात को समझने में मदद करती हैं कि समय के साथ आगे बढ़ने और प्रासंगिक बने रहने वाले संस्थान कैसे तैयार होते हैं। डॉ. पंकज मित्तल महासचिव एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज ने कहा, 'आज उच्च शिक्षा में करीब 70 प्रतिशत छात्र प्राइवेट संस्थानों में पढ़ रहे हैं जो देश की शिक्षा व्यवस्था में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की दर्शाता है। एक मजबूत विश्वविद्यालय का निर्माण केवल इंफ्रास्ट्रक्चर से नहीं आगे की बात है। स्पष्ट उद्देश्य और संस्थान से जुड़े हर व्यक्ति के सामूहिक प्रयास की जरूरत होती है, चाहे वह नेतृत्व हो, शिक्षक हों, छात्र हों या स्टाफ़। वही संस्थान आगे बढ़े हैं, जहां शिक्षा को समाज में योगदान देने के उद्देश्य से जोड़े रखा गया है। डॉ.प्रशांत भल्ला प्रेसिडेंट मानव रचना एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स ने कहा कि शिक्षा हमेशा से किसी राज्य या देश के विकास की नींव रही है। भारत ने उच्च शिक्षा में 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (वॉस एनरोलमेंट रेशियो) हासिल करने का लक्ष्य रखा है ।

77800 77100 पर दर्ज कराएं समस्या, टोकन नंबर के जरिए समाधान तक की पूरी प्रक्रिया की मिलेगी जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ ►►फरीदाबाद

जनता की समस्याओं को सीधे सुनने, उन्हें दर्ज करने और समाधान की दिशा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक विपुल गोयल ने रविवार को जनसंवाद हेल्पलाइन का शुभारंभ किया। सेक्टर-16 स्थित सागर सिनेमा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 77800 77100 हेल्पलाइन नंबर को फरीदाबाद विधानसभा की जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि जनता की आवाज ही सबसे बड़ी ताकत है और उस आवाज को सुनना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच निरंतर संवाद लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी है। इसी सोच के साथ जनसंवाद हेल्पलाइन की शुरुआत की गई है, ताकि फरीदाबाद विधानसभा के नागरिकों को अपनी समस्याओं और सुझावों को सीधे हम तक पहुंचाने के लिए एक सरल, सहज और प्रभावी माध्यम उपलब्ध हो सके। विपुल गोयल ने कहा कि आपको समस्याएं हमारी जिम्मेदारी केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनकी प्रतिबद्धता और संकल्प है। उन्होंने कहा कि इस हेल्पलाइन के माध्यम से जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनने और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों एवं प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। हमारा प्रयास



रहेगा कि शिकायत केवल दर्ज होकर न रह जाए, बल्कि उसके समाधान तक उसकी लगातार निगरानी की जाए। टोकन नंबर से मिलेगी शिकायत की प्रगति की जानकारी कैबिनेट मंत्री ने बताया कि जनसंवाद हेल्पलाइन की प्रक्रिया को बेहद सरल और पारदर्शी रखा गया है। नागरिकों को 77800 77100 पर कॉल कर अपनी समस्या बतानी होगी। कॉल के दौरान अपना वार्ड नंबर और मकान नंबर बताना होगा। इसके बाद संबंधित समस्या को दर्ज किया जाएगा। शिकायतकर्ता के व्हाट्सएप पर एक टोकन नंबर भेजा जाएगा। इस टोकन नंबर के माध्यम से नागरिक अपनी शिकायत पर हो रही कार्रवाई और उसकी प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इससे शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और नागरिकों को अपनी समस्या के संबंध में जानकारी के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। मंत्री

विपुल गोयल ने कहा कि जनसंवाद हेल्पलाइन के माध्यम से फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र की रोजमर्रा की नागरिक समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जा सकेगा। इनमें बिजली से संबंधित समस्याएं, सड़क एवं गलियों की समस्याएं, पानी की आपूर्ति, जलभराव, सफाई एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े विषय शामिल हैं। क्षेत्र के विकास से संबंधित सुझाव भी हेल्पलाइन के माध्यम से साझा किए जा सकेंगे। किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए वहां के नागरिकों की भागीदारी और उनके सुझाव बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। जनता अपने क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को सबसे बेहतर तरीके से जानती है और जनसंवाद हेल्पलाइन के माध्यम से इन समस्याओं को सीधे सामने लाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फरीदाबाद विधानसभा के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे 77800 77100 नंबर को अपने मोबाइल में सुरक्षित रखें और क्षेत्र से जुड़ी किसी भी समस्याएं शिकायत अथवा उपयोगी सुझाव के लिए बेझिझक संपर्क करें। विपुल गोयल ने कहा कि फरीदाबाद विधानसभा का विकास और प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। जनता के साथ निरंतर संवाद, उनकी समस्याओं को सुनना और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना इसी संकल्प का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि फरीदाबाद की जनता को अपनी समस्या लेकर भटकना न पड़े, बल्कि समस्या हमारे सज्जन में आए और उसके समाधान की दिशा में तुरंत प्रयास शुरू हों।

चालक वाहन सहित मौके से फरार

राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से जीजा-साले की मौत

हरिभूमि न्यूज़ ►►फरीदाबाद

हाईवे पर सराय ख्वाजा टोल प्लाजा के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार जीजा साले की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मूलरूप से राजस्थान दौसा गांव गुर्जर बैराला निवासी गोलू और खुर्जा यूपी के निवासी प्रिंस के रूप में हुई है। दोनों यहां मोड़बंद दिल्ली बाइपास पर अलग-अलग अपने परिवार के साथ रहे थे।

गोलू लोडिंग टैंपो चलाता था, जबकि प्रिंस डिलिवरी ब्याय का काम करता था। प्रिंस गोलू का जीजा था। शनिवार शाम करीब पांच बजे

दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से फरीदाबाद आ रहे थे। प्रिंस मोटरसाइकिल चला रहा था, गोलू पीछे बैठा था। सराय ख्वाजा टोल के पास किसी वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। दोनों बुरी तरह घायल हो गए और थोड़ी देर बाद वहीं दम तोड़ दिया। पुलिस का कहना है कि टक्कर मारने वाले वाहन का पता नहीं लग पाया है। हादसे के बाद मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे के बाद एक की सांस चल रही थी।

खबर संक्षेप

रक्षाबंधन पर महिलाओं को योगी सरकार का तोहफा

लखनऊ। रक्षाबंधन के मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि 27 अगस्त की रात से 28 अगस्त की रात तक उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में महिलाएं अपने एक साथी के साथ मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। सरकार का उद्देश्य रक्षाबंधन पर महिलाओं को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना है।

11 आईएस का ट्रांसफर, 12 को फ़ीलड पोस्टिंग

पटना। बिहार सरकार ने बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 11 अधिकारियों का तबादला करते हुए 12 नए आईएस को फ़ीलड पोस्टिंग दी गई है। इसके तहत पटना सिटी, दानापुर, नवगछिया समेत कई अनुमंडल के एसडीओ बदले गए हैं। अनुमंडलों में तैनात 2022 और 2023 बैच के 11 आईएस का ट्रांसफर कर उन्हें नई जिम्मेदारी दी गई है।

बरेली में आईएस ज्ञानेंद्र गंगवार के घर ईडी का छापा

बरेली। कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) की परीक्षा में कथित पेपर लीक और भर्ती अनियमितताओं की जांच के बीच कर्नाटक केडर के आईएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार का नाम चर्चा में है।



बरेली के नवाबगंज क्षेत्र के हिमकरपुर चमरुआ गांव में आईएस के पैतृक घर पर रविवार को ईडी ने छापा मारा है। यहां शाम तक ईडी की जांच जारी रही।

अयोध्या में मछली भोज: संत बोले- सनातन आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

एजेसी ►► अयोध्या



कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के अयोध्या दौरे को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। तारुन में अजय राय के स्वागत कार्यक्रम में सावन माह और एकादशी के दिन मछली भोज आयोजित किए जाने को लेकर संत समाज ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। संतों ने इसे सनातन आस्था का अपमान और रामनगरी की धार्मिक मर्यादा के साथ खिलवाड़ करार देते हुए कांग्रेस से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने की मांग की है।

संतों ने कहा कि अयोध्या में राजनीतिक कार्यक्रमों का स्वागत है, लेकिन रामनगरी की आस्था और परंपराओं की कीमत पर राजनीति नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से पूरे मामले पर स्पष्टीकरण देने और अजय राय से सनातन समाज से माफ़ी मांगने की मांग की

पेग एक का शेष...

पीएम मोदी ट्रंप ...

छाप छोड़ी थी। उन्होंने कहा कि जब आप ऊंचे ओहदे पर होते हैं, जब आप ओवल ऑफिस में होते हैं, तो हर कोई आपका दोस्त बनना चाहता है। लेकिन जब आप पद पर नहीं होते, तभी आपको असल में पता चलता है कि आपके दोस्त कौन हैं। और उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके सच्चे दोस्त साबित हुए।

रूस से तेल ...

बढ़ाते हुए कोई क्लिप नहीं मिलेगा। यह मानते हुए कि इस कदम का भारत पर असर पड़ सकता है, उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। गोर ने माना कि अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ता है तो अरुमा असर भारत पर पड़ सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ट्रंप का ध्यान रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने पर है। उनके अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप शुरुआत से ही रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करना चाहते हैं और इसके लिए ट्रुट्

रांची के बाद गिरिडीह व हजारीबाग में भी ऐक्शन, छात्रों से झड़प में 900 पर केस

एजेसी ►► रांची

रांची के बाद गिरिडीह और हजारीबाग में भी भर्ती परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। पुलिस ने झड़प में दो प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं।

वहीं हजारीबाग में सरकारी काम में बाधा डालने और पुलिसकर्मियों के साथ झड़प के आरोप में एक और एफआईआर दर्ज की गई। छात्र झारखंड भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि

परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ जुटे थे छात्र



बताया जाता है कि शुक्रवार को झारखंड भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला जलाने के लिए जमा हुए थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झूमाड़टकी हुई थी।

मंच से 11 रसोइयों को सम्मानित किया गया

3.53 लाख रसोइयों को मिलेगा 5 लाख तक मुफ्त कैशलेस इलाज

योगी कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया है। योगी सरकार ने हर महीने रसोइयों का एक हजार रुपए मानदेय बढ़ा दिया है। उन्हें अब 2000 के स्थान पर 3000 रुपए हर माह मानदेय दिया जाएगा...

हरिभूमि न्यूज़ ►► लखनऊ



राजधानी में मिड-डे मील रसोइयों के सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 3 लाख 53 हजार रसोइयों के लिए चार बड़ी योजनाओं की घोषणा की है। रक्षाबंधन से पहले मुख्यमंत्री ने रसोइयों के मानदेय में बढ़ोतरी करते हुए इसे 3000 रुपए करने का ऐलान किया। इसके साथ ही दुर्घटना या आपदा की स्थिति में परिवार को तत्काल दो लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की गई है। प्रत्येक रसोइया परिवार को हर साल पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी मिलेगी। वहीं, साड़ी के लिए दी जाने वाली राशि को दोगुना किया जाएगा।

मानदेय बढ़ाकर 3000 रुपए, दुर्घटना में दो लाख की सहायता

►► मानदेय के साथ सामाजिक सुरक्षा की गारंटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार रसोइयों को केवल मानदेय नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा की गारंटी भी दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। जनधन खातों के जरिए गरीबों के खाते में सीधे पैसा पहुंचने और बिजुलियों की भूमिका खत्म होने का भी उन्होंने जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले की शिक्षा व्यवस्था पर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि उस समय गरीब बच्चों को बंगे पैर स्कूल जाने को मजबूर होना पड़ता था, जबकि आज बच्चों के लिए यूनिफॉर्म, जूते और स्वेटर की व्यवस्था की गई है। सीएम योगी ने पूर्व की समाजवादी पार्टी सरकार पर नकल को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे उत्तर प्रदेश की छवि खराब हुई थी। उन्होंने अपनी सरकार के कामकाज का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

जर्जर स्कूल दिखाने वालों पर पहली बार बोले सीएम

गुमराह करने वाले वीडियो के खिलाफ दर्ज करें एफआईआर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुमराह करने वाले वीडियो के जरिए स्कूल और कॉलेज के बारे में गलत जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए।

गुमराह करने वाली जानकारी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि मिड-डे मील और लड़के-लड़कियों के टॉयलेट की हालत के बारे में मौके पर जाकर जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों को बेहतर सुविधाएं और पढ़ाई का माहौल मिलना चाहिए। सीएम योगी ने जिलाधिकारियों से स्कूलों का रेगुलर इन्स्पेक्शन करने को कहा।

बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि 32 साल की उम्र में तिरंगा फहराकर शहीद हुए थे गुलाब सिंह लोधी

हरिभूमि न्यूज़ ►► लखनऊ



अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी के 91वें बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अमीनाबाद स्थित झंडेवाला पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 23 अगस्त 1935 को महज 32 वर्ष की उम्र में गुलाब सिंह लोधी ने ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती देते हुए इसी स्थान पर तिरंगा फहराया था। उस समय तिरंगा स्वतंत्रता का प्रतीक था। ब्रिटिश सरकार ने उनके साहस का जवाब गोलियों से दिया, जिसमें वह शहीद हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुलाब सिंह लोधी का बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। वर्ष 1903 में उन्नाव के किसान परिवार में जन्मे गुलाब सिंह लोधी ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। सीएम योगी ने बताया कि उनकी स्मृति को जीवंत

भारत की आध्यात्मिक विरासत को कर रहा मजबूत काशी में ‘ओडिशा पर्व-2026’ से मजबूत हुआ सांस्कृतिक एकता का संदेश, पर्यटन को नई गति

हरिभूमि न्यूज़ ►► वाराणसी



काशी के बड़ा लालपुर स्थित दीनदयाल हस्तशिल्प विद्यालय, व्यापार सुविधा केंद्र एवं शिल्प संग्रहालय में ‘ओडिशा पर्व-2026’ का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने ओडिशा के लोक कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखीं और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। केशव प्रसाद मोर्य ने कहा कि काशी में ओडिशा पर्व का आयोजन सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। काशी बाबा विश्वनाथ

यामानाशी गवर्नर बोले-

मुख्यमंत्री योगी के साथ मिलकर ग्रीन हाइड्रोजन और विश्व शांति पर करेंगे काम

एजेसी ►► वाराणसी



यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, यामानाशी प्रांत और जापान के बीच संबंधों को लंबे समय तक और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिलकर कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण पहल ग्रीन हाइड्रोजन सिस्टम के माध्यम से उत्तर प्रदेश और यामानाशी प्रांत के

विकास को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही हमारी इच्छा ऊर्जा सुरक्षा के माध्यम से विश्व शांति की स्थापना में भी योगदान देने की है। यामानाशी गवर्नर रविवार को जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ बाबा

10 हजार होंगे बेरोजगार, 200 करोड़ डूब जाएंगे बिहार के 1700 कौशल विकास केंद्र पर ताला लटकने का खतरा



एजेसी ►► पटना

कुशल युवा कार्यक्रम के तहत बीते दस वर्षों से युवाओं का कौशल विकास करने वाले 17 सौ से अधिक केंद्रों पर अब ताला लटक जाएगा। युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग ने अब इस कार्यक्रम में संशोधन कर तकनीकी पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। विभाग के इस निर्णय से केंद्र चला रहे संचालकों के 200 करोड़ डूब जाएंगे। साथ ही लगभग 10 हजार लोगों का बेरोजगार होना भी तय है। दरअसल, बीते दिनों राज्य कैबिनेट से कुशल युवा कार्यक्रम संशोधन के साथ अगले पांच वर्षों तक जारी रखने का प्रस्ताव पारित हुआ।

उद्यमिता क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा

युवाओं को वर्तमान उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप उच्चस्तरीय और नई तकनीक वाले क्षेत्रों में, जिनकी बाजार में ज्यादा मांग है मखान-सोलर, ड्रोन तकनीक, नेटवर्किंग, होम नर्सिंग, मल्टी-स्क्रिप्ट वर्कर, लैब तकनीशियन, इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन, ह्यूटी एवं वेलनेस, बेकरी, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, डिजिटल मार्केटिंग, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, टैली, विदेशी भाषा एवं उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। हालांकि, विभाग ने यह जरूर कहा कि इस प्रक्रिया में पूर्व में क्वलीफिकरिंग थ्योरी पास गए कौशल विकास केन्द्रों के संचालकों/एजेंसियों को चयन की पात्रता निर्धारण के निमित्त अगुवारी जाने वाली प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाएगी।

पुराने केंद्रों में नए पाठ्यक्रमों की पढ़ाई नहीं होगी

इसके बाद केवाईपी केंद्र चला रहे संचालकों ने जब विभागीय अधिकारियों से संपर्क साधा तो साफ कर दिया गया कि उनके केंद्रों में नए पाठ्यक्रमों की पढ़ाई नहीं होगी। विभाग ने यह भी साफ कर दिया कि यह कार्यक्रम राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, प्रखंड कौशल विकास केंद्रों, प्रखंड स्तरीय राजकीय महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थान तथा सरकार के अन्य संसाधनों आदि की उपलब्ध अवसरचना के माध्यम से संचालित किया जाएगा।

10 गोल्ड बिस्किट मिले, नेपाल के रास्ते तस्करी तस्करो से 15 करोड़ का सोना बरामद, दो को किया गिरफ्तार

गोरखपुर से दिल्ली के दरियागंज ले जाया जा रहा था



हरिभूमि न्यूज़ ►► कन्नौज

कन्नौज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 15 करोड़ रुपए कीमत का लगभग 10 किलो सोना बरामद किया है। तालग्राम थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर पुलिस ने एक कार को रोककर उसमें सवार दो संदिग्ध तस्करो को गिरफ्तार किया।

बरामद सोने को लेकर पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां आरोपियों से पूछताछ कर रही हैं। बताया जा रहा है कि एक्सप्रेसवे पर पुलिस की गाड़ी से संदिग्धों की कार टकरा गई। इसके बाद कार सवारों ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने पीछा कर वाहन को पकड़

सर्कल पर जमा हो गए। स्थिति को बिगड़ते देख पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और पूरे क्षेत्र को खाली करा दिया। बिना प्रशासनिक अनुमति के आयोजित इस प्रदर्शन को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए लुटियंस दिल्ली, जय सिंह रोड, पार्लियामेंट स्ट्रीट और जंतर-मंतर पर भारी बैरिकेडिंग की गई। दिल्ली पुलिस के साथ रेपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों को तैनात कर इलाके को पूरी तरह छावनी में बदल दिया गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उन्तर और नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (पूर्व में धारा 144) लागू कर दी गई है। इसके तहत किसी भी तरह के विरोध मार्च, रैली, सभा या 5 से अधिक लोगों के एकत्र होने पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही लखनऊ में सवर्ण मोर्चा और आरक्षण सुधार आंदोलन के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के

हैं। गोर ने कहा कि इस संघर्ष का खत्म होना बेहद महत्वपूर्ण है।

अमेरिका के लिए ...

और अमेरिका के संबंध वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

7 माह पहले ...

नाजिया खानम करीब 3 महीने की प्रेग्नेंट थीं और उन्होंने इस कथित प्रताड़ना को लेकर फोन पर अपने परिवार वालों को बताया था। पुलिस के मुताबिक नाजिया के पति मोहम्मद आजम अली खान ने जांचकर्ताओं को बताया कि वारदात से पहले दंपति के बीच बहस हुई थी। आजम के बयान के मुताबिक नाजिया खानम ने कथित रूप से उसको एक कमरे में बंद कर दिया था और फिर दूसरे कमरे में चली गईं। इसके बाद मोहम्मद आजम अली खान ने मकान मालिक को खबर दी, जिसने उसे कमरे से बाहर निकलने में सहायता की। दिल्ली पुलिस के अनुसार इसके बाद नाजिया खानम का शव पंखे से लटक हुआ मिला।

दिल्ली पुलिस ने ...

तीर्थस्थलों के विकास से धार्मिक पर्यटन को नई गति मिली है। मोर्य ने ओडिशा की ओडिसी नृत्य, पट्टचित्र कला, संबलपुरी-कोटपाड़ वख और चांदी की तारकशी का उल्लेख किया। पर्व में लगाए गए 32 स्टलों पर हस्तशिल्प, हथकरघा और पारंपरिक व्यंजनों की झलक देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन कारीगरों, महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों को बाजार से जोड़ने में महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम में ओडिशा की उप मुख्यमंत्री पार्वती परिड़ा, मंत्री जयवीर सिंह, अनिल राजभर सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।



क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज ‘आश्रम 4’ का ऐलान

मुंबई। बॉबी देओल की अदाकारी वाली वेब सीरीज ‘आश्रम’ की अगली कड़ी का ऐलान हो गया है। प्रकाश झा प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। ‘आश्रम’ सीरीज के सभी पार्ट को दर्शकों ने प्यार दिया है। ‘आश्रम 4’ का ऐलान करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की गई है। तस्वीर शेयर

करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने कैप्शन में लिखा ‘एक और आरंभ। आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है। जापनाम। आश्रम 4 की शूटिंग हो रही है।’ बता दें कि आश्रम (सीजन 1) 2020 में, आश्रम चैप्टर 2 (सीजन 2) 2020 में और आश्रम 3 (सीजन 3) 2022 में रिलीज हुई। सभी सीजन के निर्देशक प्रकाश झा हैं।

लाइफ Style

नयनतारा और कविन अपनी आने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म ‘ही’ की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में नयनतारा ने अपनी पहली नौकरी के बारे में बात की और बताया कि उन्हें अपनी पहली सैलरी के तौर पर कितने पैसे मिले थे।

नयनतारा

2-3 हजार थी पहली सैलरी, आज करोड़ों की हैं मालकिन

एजेंसी ►► मुंबई

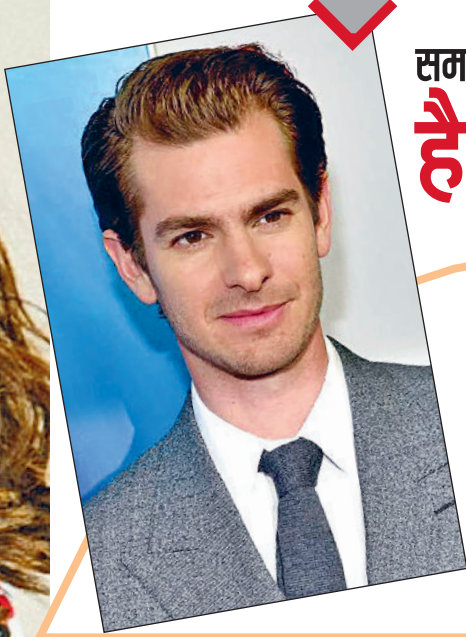
एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें अपने पहले प्रोफेशनल असाइनमेंट के लिए सिर्फ 2,000-3,000 रुपये मिले थे। आज ‘लेडी सुपरस्टार’ करोड़ों की मालकिन हैं और उनका खुद का प्रोडक्शन हाउस भी है। उन्होंने इस बातचीत के दौरान अपने संघर्ष के दिनों के बारे में खुलकर बात की। एक बातचीत के दौरान, नयनतारा से उनकी पहली नौकरी और पहली सैलरी के बारे में पूछा गया। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक मॉडल के तौर पर शुरुआत की थी और याद करते हुए कहा, ‘मुझे लगता है कि यह एक कवर शूट के लिए था। मुझे लगता है कि मुझे एक फैशन प्रोग्राम के लिए बुलाया गया था।’ फिर उन्होंने बताया कि उन्हें उस असाइनमेंट के लिए लगभग 2,000-3,000 रुपये मिले थे। पर्ल ने मजाकिया अंदाज में एक किस्सा सुनाते हुए कहा, ‘मुझे अपने पिता के नाखून काटने के लिए 500 रुपये मिले थे।’ नयनतारा ने अपने करियर की शुरुआत 2003 में ‘मनस्सिनावकारे’ फिल्म से की थी। उन्हें फिल्ममेकर सत्यन अंथिकाड ने ‘वनिता’ मैगजीन में उनकी एक फोटो देखकर चुना था, जब वह एक मॉडल के तौर पर काम कर रही थीं। शुरू में उनका एक्टिंग में आने का कोई प्लान नहीं था, लेकिन उन्होंने गौरी का रोल स्वीकार कर लिया।



हॉलीवुड मसाला

समय बर्बाद होने का होता है पछतावा

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार एंड्रयू गारफील्ड ने आखिरकार यह स्वीकार कर लिया है कि उनका एक सोफेट इंस्टाग्राम हैडल है। साथ ही उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर वे भी उलने ही एक्टिव हैं, जितना कि कोई अन्य। इतना ही नहीं, उन्होंने माना कि कई बार इंस्टाग्राम पर नोटिफिकेशंस उन्हें डरते हैं। समय बर्बाद होने का मुझे पछतावा है। गारफील्ड ने कहा, ‘सोशल मीडिया का मैं भी उतना ही आदी हूँ, जितना कोई और हो सकता है। गारफील्ड ने कहा, जब आप इस पर गौर करते हैं, तो यह काफी परेशान करने वाली बात लगती है।



वजन कम करने का अनुभव किया साझा

लॉस एंजिल्स। म्यूजिक प्रोड्यूसर बेनी ब्लैको ने काफी वजन कम कर लिया है। इसके लिए उन्होंने एक अजीबो-गरीब डाइट प्लान पर अमल किया। वजन कम करने के अपने इस अनुभव को बेनी ब्लैको ने साझा किया है। बेनी ब्लैको ने एक अनोखे डाइट एक्सपेरिमेंट के तहत पांच दिन तक सिर्फ पिज्जा खाकर लगभग पांच पाउंड वजन कम किया। इस एक्सपेरिमेंट का मकसद यह साबित करना था कि कोई भी खाना खाकर वजन कम किया जा सकता है। 38 साल के बेनी ब्लैको ने 19 अगस्त को पोस्ट किए गए एक टिकटॉक वीडियो में अपने एक्सपेरिमेंट के नतीजे शेयर किए। वह इस वीडियो में कहते हैं, ‘मैं साबित करना चाहता था कि सचमुच कुछ भी खाकर वजन कम किया जा सकता है।’ बेनी ने पूरे हफ्ते के लिए डोमिनोज का एक बड़ा थिन-कस्ट चीज पिज्जा चुना।



द रिवोल्यूशनरीज का गाना जय दुर्गा रिलीज

नई दिल्ली। वेब सीरीज ‘द रिवोल्यूशनरीज’ का गाना ‘जय दुर्गा’ रिलीज हो गया है। यह भक्ति सॉन्ग है, जो मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों को समर्पित है। देश की आजादी से पहले 1857 की क्रांति के दौर पर आधारित वेब सीरीज का दर्शक बेसवर्गी से इंतजार कर रहे हैं। बीते दिनों इस पीरियड एक्शन सीरीज के किरदारों से पर्दा उठाया गया था। ‘द रिवोल्यूशनरीज’ में भुवन बाम, गुरफतेह सिंह और प्रतिभा रांटा अहम भूमिकाओं में हैं। आज शुक्रवार को सीरीज का गाना ‘जय दुर्गा’ रिलीज हो गया है। इस गाने को श्रेयस प्रशांत पुराणिक के कंपोज किया है। वहीं इस श्रेयस प्रशांत पुराणिक, राजा हसन, अलतमश फरीदी और दिव्या कुमार ने अपनी दमदार आवाज से सजाया है। सिद्धार्थ-गर्गिमा वाहल ने गाना लिखा है। गाने को बड़ी खूबसूरती से फिल्माया गया है।



एडवांस बुकिंग में टॉक्सिक का जलवा

मुंबई। अब फिल्म ‘टॉक्सिक’ ने एडवांस बुकिंग में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। रिवार सुबह तक बुक माय शो पर ‘टॉक्सिक’ हर घंटे करीब 10 हजार टिकट बेच रही थी। रिलीज से चार दिन पहले यह एक बड़ी संख्या है। फिल्म ने सिर्फ 48 घंटे में एडवांस बुकिंग से 18 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। फिल्म के हिंदी डब वर्जन को भी इंडस्ट्री की उम्मीद से बेहतर रिसांस मिल रहा है। रिवार सुबह 8 बजे तक हिंदी वर्जन ने सिर्फ पहले दिन की एडवांस बुकिंग से 8 करोड़ रुपये की ग्राँस कमाई कर ली थी। फिल्म ने एडवांस बुकिंग की रफ्तार में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इनमें ये फिल्में शामिल हैं- शाहरुख खान की ‘वान’(1.5 लाख टिकट), रणवीर सिंह की ‘रंघर 2’(1.3 लाख टिकट), रणवीर कपूर की ‘एनिमल’ (55 हजार टिकट)।

टीवी मसाला



किताबें खरीदने तक के नहीं थे पैसे एक करोड़ के सवाल तक पहुंची रुचिता

नई दिल्ली। महानायक अमिताभ बच्चन होस्टेड रियलिटी टीवी शो ‘कौन बनेगा करोड़पति’ में अब तक कई बार यह साबित हो चुका है कि चुनौतियां आपके अच्छे शिक्षा पाने के आड़े नहीं आ सकतीं। रुचिता ने बताया वह एक स्टूडेंट है और एक्सपेंसों की परीक्षा देने की इच्छुक हैं। रुचिता ने शो पर बताया कि उनके पास अपनी किताबें खरीदने तक के पैसे नहीं होते हैं। वह मुंबई के धारावी में अपने माता-पिता और भाई के साथ 10 फुट के छोटे से कमरे में रहती हैं। फैमिली की आर्थिक स्थिति खराब है, क्योंकि रुचिता के पिता प्रतिदिन केवल 600 रुपये कमाते हैं। शो के हालिया एपिसोड में मुंबई की रुचिता अथलराव एक करोड़ रुपये के पड़ाव तक पहुंच गई। रुचिता ने बताया कि उनके पास खुद का घर नहीं है और वह मुंबई के धारावी की एक चॉल में परिवार के साथ रहती हैं। यूं तो रुचिता के लिए खुद का घर बनाने को 25 लाख रुपये काफी थे, लेकिन खेल तो आगे बढ़ना ही था। शुक्रवार को जब उन्होंने हॉट सीट पर बैककर खेल आगे शुरू किया तो उनके पास 2 लाइफलाइन बाकी रह गई थीं। एक लाइफलाइन का इस्तेमाल करके उन्होंने 50 लाख रुपये के सवाल का सही जवाब दिया। इसके बाद आई वो चुनौती, जिसे पार करके वह 1 करोड़ की धनराशि जीत सकती थीं। तो चलिए जानते हैं कि क्या था यह 1 करोड़ रुपये का सवाल और क्या रुचिता इसका सही जवाब दे पाई? सवाल था- किस क्रिकेटर के नाम यह अनोखा रिकॉर्ड है कि वह टेस्ट मैच की दोनों पारियों में एक ही गेंदबाज की हैट्रिक का हिस्सा बनकर आउट हुए हैं?

सद्गुरु की सलाह पर एक्टिंग छोड़ खेती करने लगे थे

नई दिल्ली। ‘सारामाई वर्जस सारामाई’ में रोशेन सारामाई का किर्दार निमाकर घर-घर में मशहूर हुए एक्टर राजेश कुमार एक बार फिर चर्चा में हैं। अभिनेता ने हाल ही में अपने कैरियर के उस फेज के बारे में बात की जब उन्होंने एक्टिंग छोड़ दी थी और खेती शुरू कर दी थी। राजेश कुमार 2017 में एक्टिंग छोड़कर अपने होमटाउन गया चले गए और खेती करने लगे। राजेश कुमार ने उनके फैसले सहित कईयों को चौंका दिया। अभिनेता के कई फैसले उनके इस फैसले से निराश भी हो गए थे, हालांकि बाद में उन्होंने एक्टिंग में वापसी कर ली। अब राजेश कुमार ने इस फैसले के बारे में खुलकर बात

की और बताया कि आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु से हुई बातचीत के बाद उन्होंने ये फैसला लिया था। एक बातचीत में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री छोड़कर बागवानी करने के अपने फैसले के बारे में बात की। इस दौरान उन्होंने ये भी बताया कि एक समय पर वह 2 करोड़ से ज्यादा के कर्ज में डूब गए थे। ऐसे में उन्होंने बेटे के स्कूल के बाहर सब्जियां तक बेची।

भंसाली की माइथोलॉजिकल फिल्म में करीना की एंट्री, धनुष भी आएंगे नजर

नई दिल्ली। इसे संजय लीला भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन्होंने करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साथथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीपस मित्रन संभालेंगे। हाल ही में मिशन ने फिल्म को लेकर अपडेट शेयर किया है। निर्देशक पीपस मित्रन ने बताया कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए करीना कपूर खान और धनुष के साथ बातचीत चल रही है। पीपस मित्रन इन दिनों ‘सरदार 2’ के प्रमीशन में व्यस्त हैं। इस दौरान ‘सिनेमा टिकटन’ से बात करते हुए मित्रन ने कहा, ‘करीना और धनुष से बातचीत चल रही है, हम कन्फर्मेशन के लिए तारीखें देख रहे हैं।

उम्मीद है कि इससे कुछ अरुण नतीजा निकलेगा। मित्रन के इस अपडेट के बाद भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म के लिए करीना और धनुष के साथ आने की खबरों ने जोर पकड़ लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाए जाने की तैयारी है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट अभी लिखने के स्टेज पर है और फाइनल होने से पहले इसकी संकट को कई बार फिर से लिखा गया है। उसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जनवरी 2026 में प्री-प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, जनवरी 2027 में मुख्य शूटिंग की



योजना है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो यह हिंदी सिनेमा में मित्रन के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। इसी के साथ इस फिल्म में धनुष और करीना कपूर खान पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, 2000 के दशक की शुरुआत में मनमुटाव के बाद संजय लीला भंसाली के साथ करीना इस फिल्म में पहली बार काम करेंगी। बता दें कि संजय लीला भंसाली ने साल 2002 में फिल्म ‘देवदास’ बनाई थी। कथित तौर पर इस फिल्म के लिए करीना कपूर को पारो की भूमिका के लिए अप्रोच किया था। अभिनेत्री ने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था।

67 साल बाद भी भाई-बहनों का फेवरेट है यह अमर गीत

लता का रक्षाबंधन का वो गाना, जिसे गाते हुए रो पड़ीं सिंगर

नई दिल्ली। रक्षाबंधन का त्योहार आने वाला है, लेकिन उससे पहले ही बहन और भाइयों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह फेस्टिवल भाई और बहन की जिंदगी में बहुत ही मायने रखता है, क्योंकि भले ही वह कितने भी दूर हों, लेकिन एक बहन अपने भाई की कलाई को सूना नहीं होने देती। जब बात त्योहारों की हो तो अक्सर बॉलीवुड के गाने भी याद आ जाते हैं। रक्षाबंधन पर वैसे तो कई गीत बने हैं, लेकिन आज हम आपको लता मंगेशकर के एक ऐसे कल्ट गाने के बारे में बता रहे हैं, जिसे पिछले 67 सालों से भाई-बहन की जिंदगी में कोई रिप्लेस नहीं कर पाया है। ये छोटी बहन और भाई से जुड़ा एक ऐसा कालजयी गाना है, जिसे गाते हुए खुद लता मंगेशकर रो दी थीं।



भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक है ये गाना

67 साल बाद भी राखी के मौके पर जिस गाने की सबसे ज्यादा डिमांड है, वह गाना है ‘भैया मेरे राखी के बंधन को निमांना’। यह गाना साल 1969 में रिलीज हुई फिल्म ‘छोटी बहन’ का है, जिसमें स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने अपनी आवाज दी थी और गाने को हमेशा के लिए अमर किया था। जब भी रक्षाबंधन सेलिब्रेट किया जाता है, तो सबसे पहले हर बहन की जुबान पर यही गीत आता है।

फिल्म छोटी बहन में फिल्माए गए

नंदा और बलराज साहनी की मूवी ‘छोटी बहन’ में फिल्माए गए ‘भैया मेरे राखी के बंधन को निमांना’ म्यूजिक शंकर-जयकिशन ने दिया था। इसके अलावा इसके लिрикस शेनैद ने लिखे थे।

आज भी सदाबहार गीतों में है शामिल

इस गीत के बोल छोटी बहन के अपने भाई के लिए प्यार को व्यक्त करते हैं और ऐसा कहा जाता है कि जब लता मंगेशकर इस गाने को रिकॉर्ड कर रही थीं, तो उनकी आंखें भी नम हो गई थीं। इस गाने के बोल ऐसे थे कि उन्हें अपने छोटे भाई हृदयनाथ मंगेशकर याद आने लगे, जिनसे लता



दीदी बहुत ज्यादा प्यार करती थीं। हृदयनाथ मंगेशकर ने एक इंटरव्यू में ये बताया था कि लता मंगेशकर ने पिता के निधन के बाद कैसे सभी भाई-बहनों को संभाला था। उन्होंने कहा था कि पूरे ब्रह्मांड में लता दीदी जैसी एक ही हैं। लता मंगेशकर की आवाज में गाया ये गाना आज सदाबहार गीतों में शामिल है।

हरियाणा सरकार ने रविवार को भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में 'हैपनिंग हरियाणा 2.0' अंतरराष्ट्रीय आउटरीच एवं ग्लोबल कैपिटल कैपेन की प्रभावशाली शुरुआत की। 23 से 25 अगस्त तक आयोजित तीन दिवसीय इन्वेस्टर समिट के दौरान लगभग 66,000 करोड़ रुपये से अधिक के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी ने कैपेन के तहत हरियाणवी प्रवासी परिवारों से आत्मीय संवाद किया। इस मौके पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी मौजूद रहे। बॉलीवुड एक्टर शरणदीप हुड्डा और बॉलीवुड एक्ट्रेस मेघना मालिक ने भी कार्यक्रम में भागीदारी की और मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा से बाहर रह रहे हरियाणवी केवल प्रवासी नहीं, बल्कि हरियाणा की विस्तारित शक्ति और प्रदेश की सकारात्मक पहचान के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई में बसे हरियाणवी दोनों प्रदेशों के बीच एक जीवंत सेतु हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को



साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हरियाणा और मुंबई का रिश्ता केवल जन्मभूमि और कर्मभूमि का नहीं, बल्कि संस्कार और अवसर, मेहनत और विस्तार का रिश्ता है।

हरियाणा ने अपने लोगों को मेहनत, अनुशासन और विपरीत परिस्थितियों में डटे रहने का संस्कार दिया, जबकि मुंबई ने उन्हें अपनी प्रतिभा को बड़े अवसरों में बदलने का मंच दिया।

मग़ और उत्तर प्रदेश के बीच पावर खरीद के लिए एमओयू

भोपाल। मग़ और उत्तर प्रदेश ने अपनी अलग-अलग मौसमी विद्युत मांग का लाभ उठाते हुए बिजली संसाधनों के बेहतर उपयोग और खरीद लागत में कमी की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड और उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के बीच पूरक विद्युत खरीद तथा दीर्घकालिक फर्म पावर बैकिंग व्यवस्था के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर आज लखनऊ में हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के तहत दोनों राज्यों में 2000 मेगावाट पीक पावर क्षमता की प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से खरीद शुरू करने पर सहमति बनी है। एमओयू पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक (मैर-पारंपरिक ऊर्जा) जीएस खन्नुजा और उत्तरप्रदेश पावर कॉरपोरेशन के निदेशक (प्लानिंग) दीपक रेजाद ने हस्ताक्षर किए। एमओयू का आधार दोनों राज्यों में बिजली की मौसमी मांग का अलग-अलग होना है।

खबर संक्षेप

हाईकोर्ट पहुंचा उपवन क्षेत्रपालों की पदोन्नति का मामला

भोपाल। वन विभाग में उप वन क्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति न देने के कारण अब उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के कर्मचारी संगठन के माध्यम से उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका दायर की है। याचिका में संगठन ने उपवन क्षेत्रपाल से पदोन्नति होकर वन क्षेत्रपाल बनने की पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल पूरी कर आदेश जारी करने की मांग की है। मग़ वन कर्मचारी मंच के प्राताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सरकार के पदोन्नति नियम 2025 के अंतर्गत वन विभाग में भी वन क्षेत्रपाल से सहायक वन संरक्षक वनपाल से उप वन क्षेत्रपाल एवं वनरक्षक से वनपाल लिपिक से मुख्य लिपिक एवं भूत्य से लिपिक के पद पर पदोन्नति करने के आदेश तो जारी किए गए हैं। लेकिन दो माह का समय निकल जाने के बादजुद भी उप वनक्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति करने के आदेश राज्य मंत्रालय वन विभाग द्वारा जारी नहीं किए गए हैं। वहीं उप वन क्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो रहे हैं फिर भी वन विभाग द्वारा पदोन्नति देने पर आधार प्रदर्शित करने के लिए 24 अगस्त को आईआईएफएम प्रांगण में मुख्यमंत्री का सम्मान कार्यक्रम रखा गया है।

मोस्ट इम्पैक्टफुल ऑथर श्रेणी में डॉ. अतुल को साहित्य रत्न सम्मान

इंदौर। राजनीतिक रणनीतिकार और लेखक डॉ. अतुल मलिकराम को साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए साहित्य रत्न सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया है। उन्हें चैरी बुक अवार्ड्स की ओर से मोस्ट इम्पैक्टफुल ऑथर श्रेणी में यह सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. मलिकराम की पुस्तकें दिल से, गल्लां दिल दी, दिल विल, दिल दश्त और दिल ज़रा में सामाजिक सरोकारों, राजनीति और आम जीवन से जुड़े विषयों को अलग-अलग दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। सम्मान मिलने पर डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा कि, लेखन मेरे लिए केवल विचार व्यक्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज से जुड़े उन प्रश्नों को समझने और लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी है। मुख्यधारा का हिस्सा हो कर भी, चर्चा का विषय नहीं बन पाते।

हाथी ने नेशनल हाइवे पर डाला डेरा, यातायात प्रभावित

इलाके में हड़कंप, इधर-उधर भागते दिखे लोग, हाथी देख लोगों ने रोके वाहन

हरिभूमि ब्यूरो ॥ कोरबा

कटघोरा वन मंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों का मूवमेंट लगातार बढ़ता जा रहा है। अब हाथियों की मौजूदगी केवल जंगल और खेतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे नेशनल हाईवे तक पहुंचने लगे हैं। ताजा मामला चोटिया-चिरमिरी मार्ग का है, जहां एक जंगली हाथी ने हाईवे पर डेरा डाल दिया, जिससे हड़कंप मच गया और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। जानकारी के अनुसार, चोटिया-निरमिरी नेशनल हाईवे पर अचानक एक विशाल जंगली हाथी सड़क के बीचों-बीच आकर खड़ा हो गया। हाईवे पर तेज रफ़्तार से दौड़ रहे वाहनों के सामने अचानक हाथी को देखकर चालकों ने तुरंत ब्रेक लगा दिए। हाथी जब वाहनों की तरफ बढ़ने लगा तो वहां अफरा-तफरी मच गई।

डर के कारण कई बाइक सवार और कार चालक अपने वाहन सड़क पर ही छोड़कर सुरक्षित स्थान की ओर भाग गए। देखते ही देखते सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। करीब छंटों तक यातायात बाधित रहा। इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने हाथी का वीडियो अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला और हाथी मित्र दल मौके पर पहुंचा। वनकर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए यातायात को नियंत्रित किया और लोगों को हाथी के नजदीक नहीं जाने की हिदायत दी। सुरक्षा को देखते हुए सड़क पर अस्थायी बैरिकेडिंग की गई और हाथी को धीरे-धीरे जंगल की ओर मोड़ने का प्रयास किया गया। काफी मशक्कत के बाद हाथी जंगल की ओर लौटा, तब जाकर यातायात बहाल हो सका। बता दें कि, पिछले कुछ महीनों से कटघोरा वन मंडल में हाथियों की सक्रियता बढ़ी हुई है। कभी जंगल, कभी खेत और कभी नदी किनारे हाथियों को देखा जा रहा है। इससे आसपास के ग्रामीणों और किसानों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों ने पहले भी फसलों और घरों को नुकसान पहुंचाया है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथी दिखते पर उसके करीब न जाएं और तुरंत विभाग को सूचना दें।

प्रदेश में 20 अगस्त से चल रहा है फार्मर आईडी बनाने का अभियान

किसानों के माथे पर चिंता की एक भी लकीर नहीं दिखने देंगे: सीएम

हरिभूमि ब्यूरो ॥ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में फार्मर आईडी बनवाने का अभियान 20 अगस्त से शुरू किया गया है। किसानों को अब न कहीं भटकना होगा और न ही लंबी लाइनों में लगना होगा। शासकीय दल खुद किसानों के पास जाकर उनकी फार्मर आईडी बनवाएंगे। उन्होंने किसानों से फार्मर आईडी जरूर बनवाने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसान के माथे पर चिंता की एक भी लकीर नहीं आने देंगे। शिवपुरी जिले के किसानों की मेहनत से उपजी मूंगफली का डंका पूरे देश में बज रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली से शिवपुरी जिले की कृषि उपज मंडी, पिंपरसमा में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वरचुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि अब खाद के लिए किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पैसे की कमी हमारे किसी भी किसान के आड़े न आए, इसके लिए हमारी सरकार ने शून्य प्रतिशत ब्याज पर अग्रिम खाद उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे सिर्फ पारम्परिक फसलों तक ही सीमित न रहे, बागवानी, डेयरी फार्मिंग, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे आमदनी वाले अन्य क्षेत्रों को भी अपनाएं।

मुख्यमंत्री नई दिल्ली से शिवपुरी के बलराम कृषि महोत्सव में वीसी से हुए शामिल



किसान अपनी इच्छानुसार कोई भी एक उर्वरक खरीद सकेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ई-विकास प्रणाली को और अधिक प्रभावी, सहज, सरल एवं किसान हितैषी बनाया गया है। ई-विकास 2.0 से किसानों को अपनी आवश्यकता के

अनुरूप उर्वरक प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि ई-विकास 2.0 में किसान अपनी इच्छानुसार कोई भी एक उर्वरक बिना किसी अनिवार्य संयोजन के खरीद सकेंगे।

महोत्सव वास्तव में किसानों के स्वाभिमान का अद्भुत पर्व

सीएम ने कहा कि शिव की नगरी शिवपुरी जिले में केन-बेतवा-पार्वती-सिंध-महुआ नदियों से पंचामृत की तरह आपके खेतों को जल मिल रहा है। उन्होंने शहीद तात्या टोपे के बलिदान को भी याद करते हुए कहा कि बलराम जयंती महोत्सव वास्तव में किसानों के स्वाभिमान का एक अद्भुत पर्व है।

रात को बिजली संकट खत्म

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल जो किसान चना या गन्ने की फसल लगाएंगे, उन्हें इन फसलों के लिए पूरे समय दिन में बिजली दी जाएगी। रात की बिजली का संकट खत्म होगा।

डॉ. केके खंडेलवाल के नेतृत्व में दक्षिण एशियाई स्काउटिंग को नई दिशा देगा भारत

नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई राष्ट्रीय स्काउट संगठनों के संघ (एसएएनएसओ) का मुख्य आयुक्त सम्मेलन-2026 रविवार को द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स (बीएसजी) के राष्ट्रीय मुख्यालय में शुरू हुआ। दो दिवसीय सम्मेलन में दक्षिण एशिया के करीब 50 वरिष्ठ स्काउट नेता और प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन की थीम 'एक क्षेत्र, एक आंदोलन, एक साझा दृष्टि' है। सम्मेलन का उद्देश्य दक्षिण एशियाई देशों के स्काउट संगठनों के बीच सहयोग, मित्रता और आपसी समझ को मजबूत करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रचलन के साथ हुआ। इस दौरान युवा नेतृत्व, कौशल विकास, चरित्र निर्माण, जिम्मेदार नागरिकता, शांति और सामुदायिक सेवा जैसे विषयों पर चर्चा की जा रही है। बीएसजी के मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. के के खंडेलवाल, आईएएस (सेवानिवृत्त), के नेतृत्व में भारत सांसो की



अध्यक्षता संभालेगा। बीएसजी सांसों के सचिवालय के रूप में भी कार्य करेगा। बीएसजी के अतिरिक्त मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त एवं सांसो महासचिव एमए खालिद क्षेत्रीय स्तर पर समन्वय की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उद्घाटन समारोह में बीएसजी के उपाध्यक्ष डॉ. केपी मिश्रा, डॉ. केके खंडेलवाल, एमए खालिद और सांसों सलाहकार मधुसूदन अवला सहित डब्ल्यूओएसएम तथा भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मत्स्य महासंघ के एमडी ने मछुआरों से की सीधी बातचीत

भोपाल। सम्राट अशोक सागर यानी हलाली जलाशय में मत्स्य महासंघ के प्रबंध संचालक अनुराग चौधरी का औचक निरीक्षण हुआ। उन्होंने जलाशय क्षेत्र में मत्स्य उत्पादन, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मछुआरा समितियों के अध्यक्षों व मछुआरों से सीधे संवाद किया। निरीक्षण के दौरान मछुआरों ने महासंघ के सामने अपनी रोजमर्रा की दिक्कतें रखीं। चौधरी ने सभी बातें गंभीरता से सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को जरूरी कार्रवाई कर समस्याओं का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए।

हर्षवर्धन राणे बने सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के अहम ब्रांड एंबेसडर, टीआई 22 टाइटेनियम

मुंबई। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स ने आज अभिनेता हर्षवर्धन राणे को अहम टीआई22 का चेहरा घोषित किया। यह उसके विशेष पुरुष आभूषण ब्रांड अहम के तहत पेश किया गया नवीनतम टाइटेनियम, सोना और हीरो का संग्रह है। आधुनिक पुरुषत्व की बदलती अभिव्यक्ति को दर्शाता अहम टीआई 22 टाइटेनियम की मजबूती और हल्केपन को सोने और हीरो की कालातीत आभा के साथ जोड़ता है। इस अभियान के माध्यम से हर्षवर्धन राणे नई पीढ़ी के पुरुषों के आत्मविश्वास और स्वतंत्र व्यक्तित्व को सामने लाते हैं, जो अपनी विशिष्टता, प्रामाणिकता और सहज आत्मविश्वास को अपनाने हैं और निडर बोलें बनें। मजबूत बनें। के दर्शन पर खरे उतरते हैं। अहम टीआई22 की आज मुंबई के जुड़ स्थित वन8 कम्पून में लॉन्च किया गया। लॉन्च के अवसर पर अभिनेता हर्षवर्धन राणे भी मौजूद रहे और उन्होंने इस संग्रह के आकर्षक टाइटेनियम बेसलेट और पेंडेंट पहनकर इसकी खारिजत को प्रस्तुत किया। बेहद शानदार और स्टाइलिश अंदाज में नजर आए हर्षवर्धन राणे ने सहजता और आत्मविश्वास के साथ इस नई रेंज को पेश किया, जो संग्रह की बोल्ड और समकालीन शैली को बखूबी दर्शाती है।सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के लिए अहम पुरुषों के आभूषणों को लेकर एक समकालीन दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, जहां सोन-समझावर किए गए डिजाइन और आत्म-अभिव्यक्ति का मेल देखने को मिलता है।

हरियाणा सरकार की लैंड पूलिंग पॉलिसी 2022 के माध्यम से

फरीदाबाद में

4,500

एकड़ भूमि पर आवासीय, वाणिज्यिक, सार्वजनिक एवं अर्ध-सार्वजनिक क्षेत्रों के विकास की योजना है।

योजना की अंतिम तिथि

30.11.2026

शहरी क्षेत्र/ नगर	सेक्टर	राजस्व ग्राम	प्रस्तावित क्षेत्रफल
फरीदाबाद	96A एवं 97A (सार्वजनिक एवं अर्ध-सार्वजनिक), सेक्टर संख्या 94A, 96, 99, 101, 102, 103, 140, 141, 142 (आवासीय) तथा सेक्टर संख्या 100 (वाणिज्यिक)।	खेड़ी कलां, नचौली, ताजपुर, ढकौला, शाहबाद, बदरपुर सेद, शाहपुरा, सहपुरा, सोतई, सुनपेड़, मलेरना, जाजरु, भैंसरावली, फत्तपुरा, भुआपुर, मुहापुर जसाना, फरीदपुर, सदपुरा एवं तिगांव।	4500 एकड़
			भूमि का विवरण

उक्त क्षेत्र के इच्छुक भूमि मालिक/भूमि एकत्रीकरणकर्ता वेबसाइट <https://landpooling.hsvphry.org.in> पर जाकर उक्त उद्देश्य के लिए अपनी भूमि उपलब्ध कराने हेतु अपनी रुचि/प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं।

भूमि मालिकों/भूमि एकत्रीकरणकर्ताओं से रुचि/प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए लैंड पूलिंग पोर्टल की विंडो 30.11.2026 तक खुली रहेगी।

Contact Deatils

संपदा अधिकारी, HSPV, फरीदाबाद-1

8800185620

संपदा अधिकारी, HSPV, फरीदाबाद-II

7982507579

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण
C-3, HSPV कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-6, पंचकुला - 134109, हरियाणा।
#hsphry.org.in Hsphry

चिंतन

अब अंतरिक्ष में खुलेंगे संभावनाओं के नए द्वार

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल रॉकेट लॉन्च करने और उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने तक सीमित नहीं रह गई है। देश का निजी स्पेस सेक्टर ऐसी तकनीकों पर काम कर रहा है, जो आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष की पूरी अर्थव्यवस्था का स्वरूप बदल सकती हैं। सैटेलाइट टी-स्पूनिंग, अंतरिक्ष का कचरा हटाने वाले रोबोट, माइक्रोग्रैविटी में दवाइयों का निर्माण और हर महीने रॉकेट लॉन्च करने की तैयारी इस बदलाव के स्पष्ट संकेत हैं। यह भारत के लिए वैज्ञानिक उपलब्धि के साथ-साथ आर्थिक और रोजगार के नए अवसरों का भी द्वार खोल रहा है। भारत अंतरिक्ष में आत्मनिर्भर बनने और पूरी स्पेस इकॉनोमी खड़ी करने की तैयारी में है। इससे आम आदमी से लेकर किसानों तक को फायदा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 20 स्पेस स्टार्टअप के प्रमुखों की बातचीत से यह भरोसा और मजबूत हुआ है कि भारत निजी क्षेत्र को अंतरिक्ष की नई दौड़ में बढ़ी भूमिका देने के लिए तैयार है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय कंपनियां अब केवल मौजूदा तकनीक को दोहराने के बजाय भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर समाधान विकसित कर रही हैं। अंतरिक्ष में सैटेलाइट को ईंधन देने की तकनीक इसका बड़ा उदाहरण है। अंतरिक्ष में बढ़ता मलबा पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती है। निष्क्रिय सैटेलाइट और अन्य अवशेष भविष्य के मिशनों के लिए खतरा बन सकते हैं। भारतीय स्टार्टअप का रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट के जरिये मृत सैटेलाइट को पकड़कर कक्षा से हटाने का प्रयास इस समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। यदि भारत इस तकनीक में सफल होता है तो वह केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण स्पेस सर्विस उपलब्ध कर सकता है। सबसे आकर्षक संभावनाओं में अंतरिक्ष में दवाइयों का निर्माण है। माइक्रोग्रैविटी में कुछ प्रोटीन और जैविक पदार्थ धरती की तुलना में अलग ढंग से व्यवहार करते हैं। ऐसे में अंतरिक्ष आधारित फार्मा उत्पादन भविष्य में नई दवाओं और उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन के विकास में मदद कर सकता है। हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य पूरा होने पर भारत वैश्विक वाणिज्यिक लॉन्च बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। कम लागत, कुशल इंजीनियर और तेजी से विकसित होता स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत की प्रतिस्पर्धात्मक ताकत हैं। विदेशी कंपनियों से मिल रहे नए अनुबंध बताते हैं कि दुनिया भरतीय स्पेस टेक्नोलॉजी को गंभीरता से देख रही है। अंतरिक्ष तकनीक का लाभ धरती पर आम नागरिक और किसान तक पहुंचना भी जरूरी है। सैटेलाइट डेटा के माध्यम से मौसम, मिट्टी की नमी और फसल के स्वास्थ्य की सटीक जानकारी किसानों को मिल सकती है। आपदा प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान, संचार, परिवहन और स्वास्थ्य सेवाओं में भी स्पेस टेक्नोलॉजी का विस्तार जीवन को बेहतर बना सकता है। यदि लगभग 10 लाख किसानों तक इसका लाभ पहुंचता है तो अंतरिक्ष विज्ञान का सीधा सामाजिक-आर्थिक प्रभाव दिखाई देगा। कुल मिलाकर अंतरिक्ष की यह नई दौड़ भारत के लिए प्रतियक्षा से कहीं अधिक आत्मनिर्भरता, रोजगार, नवाचार और आर्थिक विकास की दौड़ है। यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर इस अवसर को सही दिशा देते हैं तो अंतरिक्ष में खुल रहे ये नए द्वार भारत की धरती पर विकास की नई राह खोल सकते हैं और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएंगे।

मंथन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा



विरोध प्रदर्शन करें, पर न हो सीमाओं का अतिक्रमण

आ ए दिन होने वाले प्रदर्शनों के चलते सामान्य जनजीवन को बंधक बना देने की प्रवृति पर दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि प्रदर्शनों के कारण कई बार तो जीवन-मरण तक के हालात पैदा हो जाते हैं। अन्य सब कारणों और परिणामों को थोड़ी देर के लिए अलग कर भी दिया जाए तो भी हालात यहां तक हो जाते हैं कि यातायात प्रभावित होने से तत्काल मेडिकल रिलिफ की आवश्यकता वाले बीमारों तक का जीवन संकट में पड़ जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने, अपनी बात रखने और अपना विरोध अंकित कराने का सबको अधिकार है। कहीं गलत हो रहा है तो उसका विरोध भी होना चाहिए, पर इसका मतलब यह तो नहीं होना चाहिए कि हम अपनी बात कहने के चक्कर में दूसरों को अपने सामान्य नागरिक अधिकारों से वंचित कर दें। विरोध प्रदर्शन के साथ ही दायित्व भी होता है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का विरोध भी नहीं होता, पर कब इस तरह के प्रदर्शन हिंसक हो जाते हैं और कानून व्यवस्था के गंभीर हालात हो जाते हैं, इसका खामियाजा प्रदर्शनकारियों को नहीं अपितु प्रशासन और आमजन को भुगतना पड़ता है। सीजीपी के हालिया प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली में जो हालात बन गए और जनयूप में पिछले दिनों सीजीपी द्वारा स्कूल प्रकरण को लेकर ग्रामवासियों और सीजीपी लोगों के साथ हालात बने, यह अपने आप में गंभीर हो जाता है। रांची और देश के अन्य स्थानों के प्रदर्शनों को भी इसी संदर्भ में देखना होगा। शहर की सामान्य व्यवस्था को ही प्रभावित करने वाले स्थानों पर प्रदर्शन स्वीकृति पर भी प्रश्न उठाना स्वाभाविक है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण हो जाती है कि शहर के बीच प्रदर्शन की अनुमति क्यों कर दी जानी चाहिए। दरअसल, सीजीपी द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किए गए और यह प्रदर्शन देखते-देखते हिंसक हो गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस प्रशासन और पक्ष-प्रतिपक्ष द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल जाता है, पर मूल कारण को नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे पहले 2017-18 में जलकट्ट घटना के संदर्भ में गठित न्यायमूर्ति राजेश्वरन आयोग की सिफारिशें भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं। विरोध के चलते कानून हाथ में लेना या क्षेत्राधिकार से बाहर जाना एक सभ्य समाज और सभ्य नागरिक की पहचान नहीं हो सकती। सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता।

एक बात यह भी समझनी होगी कि पुलिस प्रशासन भी आखिर आदमी है और देखा जाए तो उनका मरण दोनों तरफ से हो जाता है। यदि प्रदर्शनकारियों को एक सीमा से अधिक बढ़ने पर रोके नहीं तो प्रशासन की विफलता कहने में कोई देरी नहीं लगाता, यहां तक कि प्रशासन की इंटेलिजेंस फैलियर जैसे आरोप लग जाते हैं। प्रदर्शन के हिंसक होने पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की आलोचना आम हो जाती है, पर जब कई बार प्रदर्शनकारियों द्वारा बेरिफेड तोड़ने, पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और निरपराध आमजन को निशाने पर लेने लगते हैं तो एक बात साफ हो जानी चाहिए कि फिर प्रशासन गुलाब के फूल देकर तो प्रदर्शन को नियंत्रित नहीं कर सकता। हालांकि प्रशासन को भी संयम बरतते हुए ही कदम उठाने चाहिए। दरअसल, तस्वीर के दोनों पक्षों को देखना होगा। यदि प्रदर्शन सामान्य होता है और अनुमति प्राप्त शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो तो उस पर पुलिस प्रशासन की सख्ती को किसी भी हालात में स्वीकारा नहीं जा सकता। प्रदर्शनकारियों द्वारा लक्ष्मण रेखा लांची जाती है तो उस पर प्रशासन को भी कानूनी दायरे में रहते हुए कार्रवाई तो करनी ही पड़ेगी।

प्रशासन, प्रदर्शनकारियों और आमजन को अपनी सीमाओं को समझना होगा। सुखियों में बनने के लिए कदम उठाना किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। प्रशासन की अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। पहले तो प्रशासन को भी चाहिए कि प्रदर्शन आदि के लिए ऐसा स्थान निर्धारित हो, जहां से सामान्य जनजीवन किसी तरह से प्रभावित न हो सके। आम जन, शहरी यातायात, शहर का दैनिक जनजीवन किसी तरह से प्रभावित हो जाे। ऐसी व्यवस्था हो, जिससे प्रदर्शनकारियों की बात वे जहां पहुंचाना चाहते हैं, वहां तक पहुंचाई जा सके। प्रदर्शनकारियों को भी प्रदर्शन के दौरान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। असामाजिक तत्वों को किसी तरह का मौका ही नहीं दिया जाना चाहिए। इसलिए दिल्ली उच्च न्यायालय व न्यायालयों द्वारा पूर्व में भी दी गई प्रतिपथियों को गंभीरता से प्रदर्शनकारीओं और प्रशासन दोनों को समझना होगा व दोषारोपण के नाम पर जिम्मेदारी से भागने की इजाजत किसी भी हालत में नहीं दी जा सकती।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)



मुद्दा

डॉ. घनश्याम बादल

देश इस समय राजनीतिक

उबाल के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां मुद्दे कम और मुद्दों पर मचा शोर अधिक दिखाई दे रहा है। वंदे मातरम् को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं और एक-दूसरे को राष्ट्रवादी तथा राष्ट्रविरोधी साबित करने की होड़ लगी है। दूसरी ओर, परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं के विरुद्ध युवाओं का आक्रोश जंतर-मंतर से लेकर झारखंड तक सड़कों पर दिखाई दिया। भर्ती परीक्षाओं को लेकर आंदोलन इतना गंभीर हुआ कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा और अनेक परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं। कई अन्य परीक्षाओं की जांच का आदेश हुआ। इसी बीच 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट ने राजनीति का तापमान और बढ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के बीच राजनीतिक टकराव हो या राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बीच तीखी बयानबाजी से लगता है, जैसे राजनीति ने संवाद की जगह संघर्ष को अपना स्थायी हथियार बना लिया है। यह राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, लोकतांत्रिक विमर्श के लिए खतरे की घंटी है।

राहुल गांधी आज विपक्ष के सबसे मुखर चेहरों में हैं। छात्र आंदोलनों से लेकर सरकार की नीतियों तक वे लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। हाल में उन्होंने छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर गुह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे तक की मांग की और बाद में पुलिस थाने के बाहर धरने के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया। सत्ता पक्ष भी पीछे नहीं है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के इस तेवर को राजनीति और प्रचार का हथकंडा बताया। बेशक, विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है, लेकिन हर सवाल को राजनीतिक युद्ध में बदल देना भी स्वस्थ लोकतंत्र नहीं है। सत्ता का काम जवाब देना है, लेकिन आलोचक को राष्ट्रविरोधी मान लेना भी लोकतंत्र की सेहत के लिए ठीक नहीं। परिणाम यह है कि बहस अब अक्सर इस सवाल पर टिक जाती है कि कौन किसे कितना बड़ा देशभक्त या राष्ट्रविरोधी साबित कर सकता है, लेकिन जनता पूछ रही है- इस राजनीतिक युद्ध में उसके हिस्से में क्या आया? क्या बेरोजगार युवा को नौकरी मिली? क्या परीक्षा की तैयारी में लगाए गए उसके वर्षों का नुकसान वापस किया जा सकता है? क्या पेपर लीक या भर्ती में अनियमितता के आरोपों का स्थायी समाधान हुआ? क्या महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे सवाल राजनीतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में हैं? यही वे सवाल हैं जिनसे राजनीतिक विमर्श बार-बार भटकता दिखाई देता है। निःसंदेह वंदे मातरम् किसी दल की जागीर नहीं है। वह

राजनीतिक द्वेष की आग में देश न जलाएं

दे श इस समय राजनीतिक उबाल के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां मुद्दे कम और मुद्दों पर मचा शोर अधिक दिखाई दे रहा है। वंदे मातरम् को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं और एक-दूसरे को राष्ट्रवादी तथा राष्ट्रविरोधी साबित करने की होड़ लगी है। दूसरी ओर, परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं के विरुद्ध युवाओं का आक्रोश जंतर-मंतर से लेकर झारखंड तक सड़कों पर दिखाई दिया। भर्ती परीक्षाओं को लेकर आंदोलन इतना गंभीर हुआ कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा और अनेक परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं। कई अन्य परीक्षाओं की जांच का आदेश हुआ। इसी बीच 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट ने राजनीति का तापमान और बढ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के बीच राजनीतिक टकराव हो या राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बीच तीखी बयानबाजी से लगता है, जैसे राजनीति ने संवाद की जगह संघर्ष को अपना स्थायी हथियार बना लिया है। यह राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, लोकतांत्रिक विमर्श के लिए खतरे की घंटी है।

राहुल गांधी आज विपक्ष के सबसे मुखर चेहरों में हैं। छात्र आंदोलनों से लेकर सरकार की नीतियों तक वे लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। हाल में उन्होंने छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर गुह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे तक की मांग की और बाद में पुलिस थाने के बाहर धरने के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया। सत्ता पक्ष भी पीछे नहीं है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के इस तेवर को राजनीति और प्रचार का हथकंडा बताया। बेशक, विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है, लेकिन हर सवाल को राजनीतिक युद्ध में बदल देना भी स्वस्थ लोकतंत्र नहीं है। सत्ता का काम जवाब देना है, लेकिन आलोचक को राष्ट्रविरोधी मान लेना भी लोकतंत्र की सेहत के लिए ठीक नहीं। परिणाम यह है कि बहस अब अक्सर इस सवाल पर टिक जाती है कि कौन किसे कितना बड़ा देशभक्त या राष्ट्रविरोधी साबित कर सकता है, लेकिन जनता पूछ रही है- इस राजनीतिक युद्ध में उसके हिस्से में क्या आया? क्या बेरोजगार युवा को नौकरी मिली? क्या परीक्षा की तैयारी में लगाए गए उसके वर्षों का नुकसान वापस किया जा सकता है? क्या पेपर लीक या भर्ती में अनियमितता के आरोपों का स्थायी समाधान हुआ? क्या महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे सवाल राजनीतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में हैं? यही वे सवाल हैं जिनसे राजनीतिक विमर्श बार-बार भटकता दिखाई देता है। निःसंदेह वंदे मातरम् किसी दल की जागीर नहीं है। वह

भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की गौरवपूर्ण स्मृति है। उसका सम्मान हर भारतीय के लिए स्वाभाविक होना चाहिए। राष्ट्राीक को राजनीतिक तलवार बनाकर विपक्ष को राष्ट्रविरोधी और सत्ता पक्ष को राष्ट्रवाद का अकेला ठेकेदार घोषित करना दोनों ही खतरनाक प्रवृत्तियां हैं। राष्ट्रवाद का प्रमाणपत्र संसद में बहस के दौरान नहीं बांटा जाना चाहिए। राष्ट्रभक्ति का अंतिम पैमाना यह नहीं हो सकता कि किसने कितनी जोर से नारा लगाया। देशभक्ति को किसी राजनीतिक दल के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। दूसरी ओर, विपक्ष को भी यह समझना होगा कि सिर्फ सरकार के विरोध में आक्रामक



होना पर्याप्त नहीं है। राहुल गांधी और विपक्ष के सामने आज अवसर है कि वे युवाओं के वास्तविक प्रश्नों को राजनीतिक नारे से आगे ले जाकर ठोस नीति और वैकल्पिक कार्यक्रम में बदलें। सरकार पर आरोप लगाना आसान है, यह बताना कठिन है कि सत्ता में आने पर परीक्षा व्यवस्था को कैसे पारदर्शी बनाया जाएगा, रोजगार कैसे बढ़ाया जाएगा और प्रशासनिक जवाबदेही कैसे सुनिश्चित होगी। इसी कसौटी पर विपक्ष की भी परीक्षा होनी चाहिए। सत्ता पक्ष के लिए भी यही कसौटी लागू होती है। लोकतंत्र में सरकार मजबूत होनी चाहिए, लेकिन असहमति भी मजबूत होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव का राजनीतिक संघर्ष आने वाले समय में और तीखा होना स्वाभाविक है। चुनावी राजनीति में एक-दूसरे की नीतियों की आलोचना होनी चाहिए, उपलब्धियों और विफलताओं पर बहस होनी चाहिए। लेकिन यदि चुनाव जीतने की रणनीति समाज को जाति, धर्म, क्षेत्र और राष्ट्रवाद की भावनात्मक रेखाओं में लगातार बांटने लगे तो चुनाव भले जीता जा सकता है, समाज नहीं। इसी तरह बाबा रामदेव हों या अरविंद

पैसा और शोहरत से बड़ी है ये ताकत!



स्वामी विवेकानंद की सीख जीवन का नजरिया बदल देती है। पैसा और शोहरत से बड़ी ताकत आंतरिक मजबूती है। इसे अपनाकर जीवन वास्तव में सफल और सार्थक बनाया जा सकता है। जीवन में परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होती हैं। कभी साधन कम होते हैं, तो कभी मेहनत के बावजूद नतीजा नहीं मिलता है। हर बार परिस्थितियों को दोष देते रहने से व्यक्ति कमजोर होता जाता है। विवेकानंद की सीख है कि सही समय का इंतजार करने के बजाय जो साधन उपलब्ध हैं उन्हीं से शुरुआत करें। अपनी जिंदगी की जिम्मेदारी खुद लेने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी राह खुद बना लेता है। शिकायत की बजाय प्रयास ज्यादा काम आता है। आजकल दूसरों से तुलना करना बहुत आसान हो गया है। किसी की सफलता देखकर लगता है कि हम पीछे रह गए। लेकिन हर किसी की यात्रा अलग होती है। दूसरों से तुलना करने की बजाय अपनी क्षमता को पहचानना ज्यादा जरूरी है। स्वामी विवेकानंद याद दिलाते हैं कि आपके अंदर आगे बढ़ने की शक्ति पहले से मौजूद है। जरूरत सिर्फ उसे पहचानने और सही दिशा देने की है। खुद पर भरोसा, जिम्मेदारी और मुश्किल में डूबे रहने की आदत जब बन जाती है तो सफलता व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती है। यही भीतर की ताकत जिंदगी को सच में सफल बनाती है।

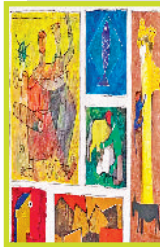
अंतर्मन



करंट अफेयर

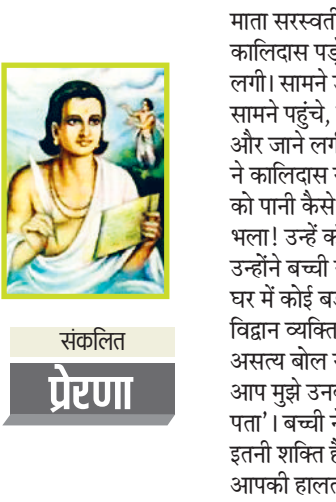
चार दशक की युद्ध तैयारी से ईरान को मिली राहत

भारतीय सैन्य विशेषज्ञ ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ संभावित युद्ध के लिए चार दशक तक तैयारी की थी, जिसमें उसके शीर्ष नेतृत्व के खतम होने जैसी परिस्थितियों से निपटने की तैयारी भी शामिल थी, यही वजह है कि उसके विरोधियों के लिए ईरान को पूरी तरह तबाह करना मुश्किल हो रहा है। ‘ ऑर्गनर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) अमेरिका’ की ओर से शुक्रवार को वाशिंगटन में आयोजित एक परिचर्चा में भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस दिल्ली ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के साथ संघर्ष में भारी नुकसान उठाने के बावजूद ईरान में लंबा खींचने वाला युद्ध लड़ने की क्षमता है। भारत की रक्षा खुफिया एजेंसी के पूर्व प्रमुख हिल्लों ने कहा कि इस युद्ध से सबसे बड़ी सीख यह है कि किसी भी सैन्य अभियान का राष्ट्रीय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और उससे बाहर निकलने की रणनीति पहले से तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा, युद्ध शुरू करने से पहले कुछ बातें जानना जरूरी हैं। आपका घोषित राष्ट्रीय लक्ष्य आपके लिए, आपकी सेना और सरकार में मौजूद लोगों के लिए स्पष्ट होना चाहिए। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि युद्ध के किस चरण में आप जीत की घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इसके बाद निकास रणनीति आती है, खासकर तब जब युद्ध किसी दूसरे देश में लड़ा जा रहा हो।



2.07 करोड़ रुपये में बिकी – यानी अपने अनुमान से 25 गुना ज्यादा। इसी तरह शांति दवे की बिना शीर्षक वाली पेंटिंग (1971) को लें तो वह लगभग 32–45 लाख रुपये के अनुमान के मुकाबले 3.25 करोड़ रुपये में बिकी। ऐसी बिक्री ने भारतीय कलाकारों के लिए एक चलन बना दिया है। पत्रिका ‘लव्सट्रोप’ के अनुसार, यह बाजार लगभग 3,000 करोड़ रुपये का है, जो सदी की शुरुआत में कुछ करोड़ रुपये ही था। यह सब दिखाता है कि भारतीय कला का दायरा सिर्फ कुछ महंगे सौदों से कहीं आगे बढ़ रहा है।

संसार में दो ही हठी और दो ही मेहमान



माता सरस्वती और महाकवि कालिदास से जुड़ा ये दिलचस्प प्रसंग। एक बार कालिदास पड़ोसी राज्य में शास्त्रार्थ करने जा रहे थे कि उन्हें रास्ते में प्यास लगी। सामने उन्हें एक था और उसके पास एक झोपड़ी। जब वो झोपड़ी के सामने पहुंचे, तो झोपड़ी से एक बच्ची बाहर निकली। उसने कुएं से पानी भरा और जाने लगी। कालिदास ने उस बच्ची जाते देख उससे पानी मांगा। उस बच्ची ने कालिदास से कहा कि वह तो उन्हें जानती तक नहीं, एक अमजान आदमी को पानी कैसे पिला दे। कालिदास को लगा कि वो तो इतने बड़े विद्वान हैं। भला! उन्हें कौन नहीं जानता। ये बच्ची है, शायद इसलिए उन्हें नहीं पहचानती। उन्होंने बच्ची से कहा - ‘बालिका! तुम छोटी हो, इसलिए मुझे नहीं पहचानती। घर में कोई बड़ा हो, तो उसे भेजो। वह मुझे अवश्य पहचान लेगा। मैं बहुत विद्वान व्यक्ति हूं और मेरा बहुत नाम और सम्मान है। बच्ची ने कहा - ‘आप असत्य बोल रहे हैं। इस संसार में दो ही बलवान हैं। आपको पानी चाहिए, तो आप मुझे उनका नाम बताइये? कालीदास थोड़ा रुककर बोले - ‘मुझे नहीं पता। बच्ची ने जवाब में कहा - ‘आम और जल। भूख और प्यास, इन दोनों में इतनी शक्ति है कि ये बड़े से बड़े बलवान को भी झुका दें। देखिये! प्यास ने आपकी हालत कैसी कर दी है।



टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फेब्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से : hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

तीन दिवसीय आयोजन में भाषाओं के दस्तावेजीकरण, संरक्षण और पुनर्जीवन पर होगा

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

जनजातीय भाषाओं के संरक्षण, दस्तावेजीकरण और पुनर्जीवन को लेकर जनजातीय कार्य मंत्रालय सोमवार से कर्नाटक के मैसूर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव आयोजित करेगा। कॉन्क्लेव बुधवार तक चलेगा, जिसमें देशभर के विशेषज्ञ, भाषाविद, शोधकर्ता, जनजातीय प्रतिनिधि और संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधि जनजातीय भाषाओं और संस्कृति के संरक्षण पर विचार-विमर्श करेंगे। कॉन्क्लेव का उद्घाटन केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उड़के करेंगे। आयोजन का उद्देश्य देश की समृद्ध जनजातीय भाषाई विरासत के दस्तावेजीकरण के साथ-साथ इनके संरक्षण और नई पीढ़ी के बीच इनके इस्तेमाल को बढ़ावा देना है।

खबर संक्षेप

चर्चित अभिनेत्री आशा सिंह का निधन
मुंबई। सिनेमा जगत ने एक और दिग्गज हस्ती को खो दिया है। फिल्म और टेलीविजन की अभिनेत्री आशा सिंह का शुक्रवार को निधन हो गया। आशा की मौत फेफड़ों के संक्रमण से लंबी लड़ाई के बाद हुई। वे बीमारी से जूझ रही थीं। मनोरंजन जगत का चहेता चेहरा रही आशा ने कई दशकों तक सिनेमा और टेलीविजन में अहम योगदान दिया।

ची में मिलावट, 3 ब्रांडों की बिक्री पर लगी रोक

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन के मामले में दो कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की है। नई दिल्ली की मांश रिटेल प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस 30 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया है। दमन की एसडीपी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को सभी ची की बिक्री तुरंत बंद करने को कहा है।

रोहित के पीए की बेटी की संदिग्ध हालत में मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में राकोंपा (शरद गुरु) के विधायक रोहित पवार के पीए की 12 वर्षीय बेटी का शव रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ है। बताया जा रहा कि शनिवार को बच्ची की अपनी मां से किसी बात को लेकर मामूली कहासुनी हो गई थी। इसके बाद वह गुस्से में अपने घर से निकल गई थी।

मुंबई में गणेश प्रतिमा गिरी, 2 लोगों की मौत

मुंबई। भुलेश्वर इलाके में शनिवार रात भुलेश्वरचा राजा गणपति मंडल की करीब 3 टन वजन की गणेश प्रतिमा पंडाल में स्थापित करने से पहले ही गिर गई। हादसा बलराम मर्चेंट रोड, कबूतरखाना, जय अंबे चौक, भुलेश्वर इलाके में हुआ। बताया गया 22 अगस्त की रात में गणेश प्रतिमा के आगमन समारोह के दौरान यह हादसा हुआ।

हरिद्वार संत समागम में बोले केंद्रीय मंत्री एक राष्ट्र-एक चुनाव से बचेगा करोड़ों का खर्च, बार-बार चुनाव बने



एजेसी►►हरिद्वार

हरिद्वार के प्राचीन अवधूत मण्डल आश्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संत समागम को संबोधित करते हुए एक राष्ट्र-एक चुनाव की ताकत और आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बार-बार होने वाले चुनावों को देश की प्रगति के लिए बाधक बताते हुए संत समाज से इस संवैधानिक परिवर्तन के लिए जनजागरण का आह्वान किया।

ई20 इथेनॉल नीति पर कांग्रेस ने उठाए सवाल



एजेसी►►नई दिल्ली

छात्रों के खिलाफ हिंसा और राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर आक्रामक रणनीति अपना रही कांग्रेस ने अब पेट्रोल में 20 फीसद एथनॉल मिलावट से गाड़ियों को हो रहे कथित नुकसान को बड़ा मुद्दा बनाने का आधार तैयार करती दिख रही है। पार्टी ने एथेनॉल के चलते चीनी की कीमतों में उछाल के दावों के मद्देनजर ई-20 नीति की तत्काल समीक्षा की मांग की करते हुए जनता को बिना एथेनॉल वाले पेट्रोल का विकल्प दिए जाने की पैरोकारी की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी की ओर से यह मांग उठाते हुए कहा कि गाड़ी भी महंगी पड़े और रसोई भी ऐसी जनविरोधी ईंधन नीति देश को स्वीकार्य नहीं हो सकती। एथेनॉल की वजह से चीनी की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की रिपोर्टों का हवाला देते हुए जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की अदूरदर्शी और जनविरोधी ई-20 नीति के कारण एक तरफ महंगाई बढ़ती जा रही है तो दूसरी तरफ वाहन मालिक कम माइलेज और वाहनों के खराब होने की दोहरी मार झेलने पर मजबूर हैं।

झारखंड परीक्षा विवाद

झड़प में 3 एफआईआर, 14 नामजद समेत 200 अज्ञात को आरोपी बनाया



एजेसी►►रांची

झारखंड की राजधानी रांची में पुलिस और नौकरी के अभ्यर्थियों के बीच हुई झड़प के मामले में शनिवार को तीन प्राथमिकी दर्ज की गई। इन मामलों में 14 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि 200 से अधिक अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर रांची के कोतवाली थाने में

यह देश के हित में

चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उठाए गए इस आग्रह और संकल्प का खुलकर समर्थन करते हुए एक राष्ट्र-एक चुनाव की परिकल्पना को देश के हित में आवश्यक करार दिया। चौहान ने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव राष्ट्र की विकास गति और जनसेवा को प्रभावित कर रहे हैं और समय, पैसा तथा प्रशासनिक ऊर्जा का भारी क्षय कर रहे हैं। लगातार चुनावों के कारण स्कूलों में पढ़ाई रुकती है, प्रशासनिक मशीनरी चुनाव की तैयारियों में लग जाती है और विकास कार्यों की गति धीमी पड़ जाती है। उन्होंने चुनावों की तैयारी पर लगने वाले समय और खर्च, जो रिपोर्ट के मुताबिक लाखों करोड़ तक पहुंचते हैं।

जनजातीय भाषाओं के संरक्षण को मिलेगी नई धार और मजबूती मिलेगी, मैसूर में आज से राष्ट्रीय समागम, आदिवाणी होगा लॉन्च

जनजातीय भाषाओं में कर्नाटक प्राइमर जारी होंगे

बुधवार तक चलेगा यह कॉन्क्लेव, विशेषज्ञ आएंगे



चीनी संकट पर कांग्रेस का केंद्र सरकार पर बड़ा हमला एथनॉल की वजह से बढ़ रही चीनी की कीमत, तत्काल समीक्षा करनी चाहिए

गाड़ियों को हो रहे कथित नुकसान को बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश



तिवारी बोले गन्ने के डायवर्जन से चीनी के दाम उछले, इसकी जांच की जाए

कांग्रेस सांसद मनोप तिवारी ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की सरकारी नीति और गन्ने के इस्तेमाल को लेकर तीखे सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के डायवर्जन से चीनी के दाम बढ़कर 70 रुपएप्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं



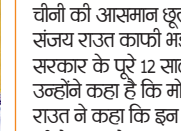
मनीष तिवारी

गन्ने के इस्तेमाल के कारण देश में चीनी की कीमतें बढ़कर 70 रुपये प्रति किलो हो गई हैं। एथेनॉल मिश्रण (ब्लेंडिंग) से गाड़ियों के इंजन और माइलेज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने यह मांग की है कि एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने और अन्य संसाधनों का आवंटन किस प्रकार किया जा रहा है, इसकी पूरी जांच होनी चाहिए।

थरूर ने कहा

केंद्र सरकार आम जनता को राहत देने पर करे विचार

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने संसद में पेट्रोल में ई20 इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के रोलआउट, वाहन परफॉर्मेंस और जनता पर पड़ने वाले असर को प्रमुखता से उठाने की बात कही है। उन्होंने वैश्विक ऊर्जा संकट और ईंधन के बढ़ते दामों पर भी चिंता जताई है। सरकार के इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के कार्यान्वयन और वाहन मालिकों की चिंताओं को संसद में उठाने की घोषणा की।



शशि थरूर

राउत भी भड़के

इन 12 सालों में क्या सस्ता हुआ, सप्लाई मोड़ी जा रही

चीनी की आसमान छूती कीमतों पर शिवसेना के सांसद संजय राउत काफी भड़क गए हैं। उन्होंने केंद्र की एनडीए सरकार के पूरे 12 साल के कार्यकाल पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि मोदी के 12 सालों में मौत सस्ती हुई है। राउत ने कहा कि इन 12 सालों में क्या सस्ता हुआ है? मोदी जी के राज में 12 साल बीत चुके हैं। क्या सस्ता हुआ है? मौत सस्ती हो गई है। हाइसे सस्ते हो गए हैं।



संजय राउत

विशाखापट्टनम में ‘फ्रेंडशिप संडे ऑन साइक्लिंग’ 11 देशों के खेल मंत्रियों ने दिया फिटनेस का संदेश

एजेसी►►विशाखापट्टनम

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के ‘फ्रेंडशिप संडे ऑन साइक्लिंग’ कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनसुख एल मंडाविया ने फिटनेस के महत्व और फिट इंडिया मूवमेंट की बढ़ती पहुंच को रेखांकित किया। मंडाविया ने कहा कि यहाँ में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अवसर पर ब्रिक्स फ्रेंडशिप संडे ऑन साइक्लिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में फिट इंडिया मूवमेंट लगातार आगे बढ़ रहा है। आज देशभर में 18,000 से अधिक स्थानों पर युवा संडे ऑन साइ क्लिंग के जरिए फिटनेस का संदेश फैला रहे हैं।



सत्रावसान के 10 दिन बाद भी कोई सूचना नहीं, क्या विशेष सत्र बुलाने की ‘मंशा’ लोकसभा के प्रोरोगेशन में देरी पर जयराम ने उठाए सवाल डेलीमिटेशन पर दो तिहाई आंकड़ा तो नहीं जुटा रही केंद्र सरकार

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने लोकसभा के सत्रावसान में हो रही देरी को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाया है। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने और उसके औपचारिक सत्रावसान के बीच आम तौर पर दो से चार दिन का अंतर होता है, जबकि कई मौकों पर दोनों प्रक्रियाएं एक ही दिन पूरी हुई हैं। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए पोस्ट में कहा कि लोकसभा को 10 दिन पहले स्थगित किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई सूचना नहीं है। उन्होंने लिखा कि यह सही है कि 2015 के मानसून सत्र में स्थगन और सत्रावसान के बीच 28 दिन तथा 2021 में 20 दिन का अंतर रहा था। लेकिन उनके मुताबिक, उन दोनों मौकों पर कोई शैतानी चाल नहीं चल रही थी।

क्या है सत्रावसान और स्थगन में अंतर ?
लोकसभा के किसी सत्र को स्थगित करने का अर्थ है कि पीठासीन अधिकारी सदन की बैठक को बिना अगली बैठक की तारीख तय किए समाप्त कर देता है। इसके बाद राष्ट्रपति के आदेश से सदन का सत्रावसान होता है। सत्रावसान के बाद मौजूब सत्र औपचारिक रूप से समाप्त माना जाता है। वहीं, किसी विशेष परिस्थिति में सरकार को अगला सत्र बुलाने के लिए अगला से संवैधानिक प्रक्रिया अपनानी होती है।

देश में अगले परिसीमन को लेकर राजनीतिक दलों के बीच लंबे समय से बहस चल रही है। परिसीमन का सीधा संबंध लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं तथा प्रतिनिधित्व के पुनर्वितरण से है। दक्षिणी राज्यों की ओर से यह आशंका भी जताई जाती रही है कि जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण से उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में नुकसान हो सकता है। ऐसे में यदि सरकार परिसीमन से संबंधित किसी संवैधानिक संशोधन को संसद के विशेष सत्र में लाने की दिशा में आगे बढ़ती है, तो उसे दोनों सदनों में आवश्यक संवैधानिक बहुमत जुटाना होगा। हालांकि, जयराम रमेश ने अपने पोस्ट में सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाने की कोई आधिकारिक घोषणा होने का दावा नहीं किया है। उन्होंने लोकसभा के सत्रावसान में हो रही देरी को लेकर सवाल उठाते हुए इसे परिसीमन विधेयक के संभावित घटनाक्रम से जोड़ा है।

देश में अगले परिसीमन को लेकर राजनीतिक दलों के बीच लंबे समय से बहस चल रही है। परिसीमन का सीधा संबंध लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं तथा प्रतिनिधित्व के पुनर्वितरण से है। दक्षिणी राज्यों की ओर से यह आशंका भी जताई जाती रही है कि जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण से उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में नुकसान हो सकता है। ऐसे में यदि सरकार परिसीमन से संबंधित किसी संवैधानिक संशोधन को संसद के विशेष सत्र में लाने की दिशा में आगे बढ़ती है, तो उसे दोनों सदनों में आवश्यक संवैधानिक बहुमत जुटाना होगा। हालांकि, जयराम रमेश ने अपने पोस्ट में सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाने की कोई आधिकारिक घोषणा होने का दावा नहीं किया है। उन्होंने लोकसभा के सत्रावसान में हो रही देरी को लेकर सवाल उठाते हुए इसे परिसीमन विधेयक के संभावित घटनाक्रम से जोड़ा है।

डीलिमिटेशन बिल को लेकर सरकार पर निशाना
जयराम रमेश ने लोकसभा के सत्रावसान में हो रही देरी को सीधे परिसीमन से जोड़ते हुए केंद्र सरकार से सवाल किया। उन्होंने पूछा कि आखिर इस असामान्य देरी की वजह क्या है? कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अभी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश कर रहे हैं और इसी उद्देश्य से संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी है। उन्होंने पूछा कि लिखा, स्वयं केंद्रीय गृह मंत्री अभी भी बहुमत की तलाश में हैं, ताकि परिसीमन पर संविधान संशोधन विधेयक को विशेष सत्र में पारित कराया जा सके? जयराम रमेश के इस बयान ने संसद के अगले संभावित सत्र और परिसीमन को लेकर राजनीतिक अटकलों को फिर हवा दे दी है।

सत्रावसान के 10 दिन बाद भी कोई सूचना नहीं, क्या विशेष सत्र बुलाने की ‘मंशा’ लोकसभा के प्रोरोगेशन में देरी पर जयराम ने उठाए सवाल कहीं डेलीमिटेशन पर दो तिहाई आंकड़ा तो नहीं जुटा रही केंद्र सरकार

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने लोकसभा के सत्रावसान में हो रही देरी को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाया है। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने और उसके औपचारिक सत्रावसान के बीच आम तौर पर दो से चार दिन का अंतर होता है, जबकि कई मौकों पर दोनों प्रक्रियाएं एक ही दिन पूरी हुई हैं। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए पोस्ट में कहा कि लोकसभा को 10 दिन पहले स्थगित किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई सूचना नहीं है। उन्होंने लिखा कि यह सही है कि 2015 के मानसून सत्र में स्थगन और सत्रावसान के बीच 28 दिन तथा 2021 में 20 दिन का अंतर रहा था। लेकिन उनके मुताबिक, उन दोनों मौकों पर कोई शैतानी चाल नहीं चल रही थी।

देश में अगले परिसीमन को लेकर राजनीतिक दलों के बीच लंबे समय से बहस चल रही है। परिसीमन का सीधा संबंध लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं तथा प्रतिनिधित्व के पुनर्वितरण से है। दक्षिणी राज्यों की ओर से यह आशंका भी जताई जाती रही है कि जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण से उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में नुकसान हो सकता है। ऐसे में यदि सरकार परिसीमन से संबंधित किसी संवैधानिक संशोधन को संसद के विशेष सत्र में लाने की दिशा में आगे बढ़ती है, तो उसे दोनों सदनों में आवश्यक संवैधानिक बहुमत जुटाना होगा। हालांकि, जयराम रमेश ने अपने पोस्ट में सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाने की कोई आधिकारिक घोषणा होने का दावा नहीं किया है। उन्होंने लोकसभा के सत्रावसान में हो रही देरी को लेकर सवाल उठाते हुए इसे परिसीमन विधेयक के संभावित घटनाक्रम से जोड़ा है।

सिर्फ चर्चा नहीं, अमल पर भी नजर
सम्मेलन की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि यहां होने वाले विचार-विमर्श और सिफारिशों को संबंधित एजेंसियों की कार्ययोजना से जोड़ा जाता है। ऐसे में इस बार देश की सुरक्षा रणनीति में आतंकवाद, साइबर खतरें, ड्रोन, नार्को नेटवर्क, संगठित अपराध और डिजिटल शेरिंग को लेकर अनेकलने वाले निष्कर्षों पर सुरक्षा विशेषज्ञों की खास नजर रहेगी। दो दिन तक चलने वाला यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब भारत की सुरक्षा चुनौती परंपरिक सीमाओं से निकलकर डिजिटल, तकनीकी और बहुआयामी हो चुकी है। ऐसे में 9वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक एकीकृत, तकनीक-सक्षम और त्वरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसलों की उम्मीद की जा रही है।

सिर्फ चर्चा नहीं, अमल पर भी नजर

सम्मेलन की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि यहां होने वाले विचार-विमर्श और सिफारिशों को संबंधित एजेंसियों की कार्ययोजना से जोड़ा जाता है। ऐसे में इस बार देश की सुरक्षा रणनीति में आतंकवाद, साइबर खतरें, ड्रोन, नार्को नेटवर्क, संगठित अपराध और डिजिटल शेरिंग को लेकर अनेकलने वाले निष्कर्षों पर सुरक्षा विशेषज्ञों की खास नजर रहेगी। दो दिन तक चलने वाला यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब भारत की सुरक्षा चुनौती परंपरिक सीमाओं से निकलकर डिजिटल, तकनीकी और बहुआयामी हो चुकी है। ऐसे में 9वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक एकीकृत, तकनीक-सक्षम और त्वरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसलों की उम्मीद की जा रही है।

सिर्फ चर्चा नहीं, अमल पर भी नजर

सम्मेलन की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि यहां होने वाले विचार-विमर्श और सिफारिशों को संबंधित एजेंसियों की कार्ययोजना से जोड़ा जाता है। ऐसे में इस बार देश की सुरक्षा रणनीति में आतंकवाद, साइबर खतरें, ड्रोन, नार्को नेटवर्क, संगठित अपराध और डिजिटल शेरिंग को लेकर अनेकलने वाले निष्कर्षों पर सुरक्षा विशेषज्ञों की खास नजर रहेगी। दो दिन तक चलने वाला यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब भारत की सुरक्षा चुनौती परंपरिक सीमाओं से निकलकर डिजिटल, तकनीकी और बहुआयामी हो चुकी है। ऐसे में 9वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक एकीकृत, तकनीक-सक्षम और त्वरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसलों की उम्मीद की जा रही है।

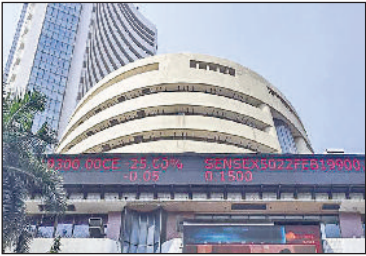
सिर्फ चर्चा नहीं, अमल पर भी नजर

सम्मेलन की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि यहां होने वाले विचार-विमर्श और सिफारिशों को संबंधित एजेंसियों की कार्ययोजना से जोड़ा जाता है। ऐसे में इस बार देश की सुरक्षा रणनीति में आतंकवाद, साइबर खतरें, ड्रोन, नार्को नेटवर्क, संगठित अपराध और डिजिटल शेरिंग को लेकर अनेकलने वाले निष्कर्षों पर सुरक्षा विशेषज्ञों की खास नजर रहेगी। दो दिन तक चलने वाला यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब भारत की सुरक्षा चुनौती परंपरिक सीमाओं से निकलकर डिजिटल, तकनीकी और बहुआयामी हो चुकी है। ऐसे में 9वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक एकीकृत, तकनीक-सक्षम और त्वरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसलों की उम्मीद की जा रही है।

बाजार का सप्ताह भारी, क्रूड, जंग और यूएस फेड तय करेंगे दिशा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़े घटनाक्रम इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। रिलायंस ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि निवेशक जैक्सन होल आर्थिक संगोष्ठी पर करीबी नजर रखेंगे। खासकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के प्रमुख की टिप्पणियों से ब्याज दरों की आगे की दिशा के संकेत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान, टिकाऊ वस्तुओं के ऑर्डर और उपभोक्ता भरोसे से अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती तथा फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा के बारे में भी महत्वपूर्ण संकेत मिलेंगे। घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर रुपए की चाल, विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश प्रवाह और घरेलू बाजार में नकदी की स्थिति पर रहेगी।



शेयर बाजार में आ सकती है स्थिरता

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि निफ्टी में लगातार दो सप्ताह की गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह कुछ स्थिरता आ सकती है और निकट अवधि में मामूली सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बाजार की निगाह बैंट कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी, जो 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है।

वैश्विक बाजारों में छाए रहेंगे तीन प्रमुख मुद्दे

संपत्ति प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पौनमुडी आर ने कहा कि वैश्विक बाजारों में इस सप्ताह तीन प्रमुख मुद्दे छाए रहेंगे। इनमें अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति की दिशा, एनवीडिया के तिमाही परिणाम और अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दीर्घवधि की अमेरिकी प्रतिक्रियाओं पर प्रतिफल में उतार-चढ़ाव के बीच जैक्सन होल संगोष्ठी में फेड के प्रमुख केविन वॉश के संबोधन पर करीबी नजर रहेंगी। इससे सितंबर की नीतिगत बैठक से पहले केंद्रीय बैंक द्वारा लगातार बनी महंगाई के जोखिम और श्रम बाजार में नरमी के संकेतों के बीच संतुलन को लेकर संकेत मिल सकते हैं। पौनमुडी ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों भी एक बड़ा बाहरी जोखिम बनी हुई है।

सोने-चांदी में मुनाफावसूली का खतरा, यूएस जीडीपी तय करेगी दाम

एजेंसी ►► नई दिल्ली

इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का रुख जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, उच्च स्तर पर मुनाफावसूली से तेजी की रफ्तार कुछ धीमी हो सकती है। विश्लेषकों ने बताया कि निवेशक अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिकी मुद्रास्फीति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े सर्राफा बाजार के लिए प्रमुख उत्प्रेरक होंगे। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा पश्चिम एशिया की भू-राजनीति से जुड़े घटनाक्रम, विशेष रूप से अमेरिका-ईरान शांति समझौता और हौर्मुज जलडमरूमध्य का फिर से खुलना भी कीमतों को प्रभावित करेंगा।



सोना मजबूती से सकारात्मक बना रहा

एलकेपी सिव्योरिटीज के जिंस एवं मुद्रा शोध विश्लेषक तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा, 'इस सप्ताह सोना मजबूती से सकारात्मक बना रहा और पांच प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज करते हुए एमसीएक्स पर 1.62 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब बंद हुआ।' उन्होंने कहा कि इस तेजी को सर्राफा में नए सिरे से लिवाली, बॉन्ड प्रतिफल में नरमी और नकदी की बेहतर स्थितियों से समर्थन मिला।

मुनाफावसूली से इनकार नहीं

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के जिंस एवं मुद्रा शोध के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, 'आगामी कारोबारी सत्र में हमारा अनुमान है कि रुझान सकारात्मक बना रहेगा, लेकिन कुछ मुनाफावसूली से इनकार नहीं किया जा सकता।' घरेलू मोर्चे पर मल्टी कर्मांडीटि एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर डिलिवरी वाला सोना वायदा 7,932 रुपए या 5.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 1.62 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। सितंबर डिलिवरी वाली चांदी 10,673 रुपए या 4.52 प्रतिशत उछलकर 2.46 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

खबर संक्षेप

ग्रासिम करेगी 2 लाख करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली। ग्रासिम इंडस्ट्रीज का एकीकृत कारोबार वित्त वर्ष 2026-27 में दो लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। कंपनी के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि भवन निर्माण सामग्री, वित्तीय सेवाओं, डिजिटल वाणिज्य और नवीकरणीय ऊर्जा सहित विविध कारोबार से कंपनी को वृद्धि में मदद मिलेगी। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनियों अल्ट्राटेक सीमेंट, आदित्य बिड़ला कैपिटल, बिड़ला ओपस, आदित्य बिड़ला रिन्यूएबलस और बिड़ला पिक्ट की होल्डिंग कंपनी ग्रासिम ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.75 लाख करोड़ रुपए का अब तक का सर्वाधिक एकीकृत कारोबार दर्ज किया था।

सेन्को गोल्ड खोलेगा 20 नए स्टोर

मुंबई। आभूषण कंपनी सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स को चालू वित्त वर्ष में अपना राजस्व 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ 10,500-11,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स के सीईओ सुवंकर सेन ने कहा कि कंपनी के फिलहाल करीब 190 स्टोर हैं और वित्त वर्ष 2026-27 में 20 नए स्टोर खोलने की योजना है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

- 

मेघ

कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।
- 

वृष

कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रुझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
- 

मिथुन

अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।
- 

कर्क

आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धनर्जन हो सकता है।
- 

सिंह

पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।
- 

कन्या

नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयुक्त-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।
- 

तुला

आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।
- 

वृश्चिक

वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।
- 

धनु

रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रुझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोतरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।
- 

मकर

आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रुचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।
- 

कुंभ

परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।
- 

मीन

रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों ने की शीर्ष स्तर पर बदलाव की घोषणा

एफएमसीजी में ‘बॉस’ बदलने की बयार ग़ोथ के लिए शीर्ष पदों पर नए चेहरे

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश में रोजमर्रा की जरूरत का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) में नेतृत्व परिवर्तन का दौर देखने को मिल रहा है। कई प्रमुख कंपनियां अपने परिचालन को अधिक प्रभावी बनाने, वृद्धि को गति देने और उपभोक्ताओं की बदलती प्रार्थमिकताओं के अनुरूप ढलने के लिए नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त कर रही हैं तथा वरिष्ठ अधिकारियों को पदोन्नत कर रही हैं।

पिछले लगभग 12 माह में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल), गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल), डाबर इंडिया, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और कोलगेट-पामोलिव इंडिया सहित कम से कम आधा दर्जन प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों ने शीर्ष स्तर पर बदलाव की घोषणा की है।

नेस्ले इंडिया में हुआ नेतृत्व परिवर्तन

नेस्ले इंडिया में इस अवधि से ठीक पहले नेतृत्व परिवर्तन हुआ था। नेतृत्व में ये बदलाव ऐसे समय में हुए हैं जब एफएमसीजी कंपनियां चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल का सामना कर रही हैं, जो असमान उपभोक्ता मांग, क्षेत्रीय और स्थानीय कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा, तथा लाभप्रदता की सुरक्षा करते हुए मात्रा आधारित वृद्धि दर्ज करने के दबाव से जूझ रही हैं। कंपनियां भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और अपूर्ति-श्रृंखला के व्यवधानों के कारण बड़ी हुई लागत से भी जूझ रही हैं, जबकि निवेशक टिकाऊ वृद्धि और मार्जिन विस्तार पर तेजी से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

सीतापति के बाहर निकलने से मची हलचल

इसके साथ ही, विभिन्न श्रेणियों में प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग उपभोक्ता संभावनाओं को नया रूप दे रही है, जिससे एफएमसीजी कंपनियां अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को पुनर्गठित कर रही हैं और उच्च-मूल्य वाले उपभोग अवसरों का लाभ उठाने के लिए नवाचार क्षमताओं को मजबूत कर रही हैं। इस महीने की शुरुआत में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड



कोलगेट-पामोलिव ने की नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा

कोलगेट-पामोलिव इंडिया ने नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की है, जिसके तहत प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभा नरसिम्हन 27 सितंबर को कामकाज समाप्त होने के बाद एशिया-प्रशांत क्षेत्र की व्यापक विपणन भूमिका में स्थानांतरित होंगी। कोलगेट के पूर्व कार्यकारी मनीष आनंदानी को 28 सितंबर से उनका उत्तराधिकारी नियुक्त किया जा रहा है। प्रिया नायर ने एक अगस्त, 2025 को रोहित जावा की जगह एक्ज्यूटल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी का पदभार संभाला। जावा ने अपने निर्धारित पांच साल के कार्यकाल के पूरा होने से लगभग तीन साल पहले पद छोड़ दिया था।

ब्रिटानिया के सीईओ ने दिया अचानक इस्तीफा

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी वरुण बेरी ने एक दशक से अधिक समय तक इस प्रमुख बिस्कुट तथा बेकरी कंपनी को नेतृत्व करने के बाद नवंबर, 2025 में अचानक इस्तीफा दे दिया। डाबर इंडिया ने अप्रैल, 2026 से हरजीत एस भल्ला को सीईओ (भारतीय व्यवसाय) नियुक्त किया, जबकि मोहित मल्होत्रा को पदोन्नत कर वैश्विक सीईओ बनाया गया।

प्राइड होटल्स का विस्तार, लॉच होंगे 1 हजार करोड़ के आईपीओ

इंदौर। आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी प्राइड होटल्स इस साल दिसंबर तक अपना आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्यन जैन ने बताया कि आईपीओ का आकार करीब 1,000 करोड़ रहने की उम्मीद है। जैन ने कहा, 'कंपनी तेजी से



अपने कारोबार का विस्तार कर रही है। पिछले 12 माह में उसने 9 नए होटल खोले हैं। यह इंदौर में नौवां होटल है।' इसके साथ ही प्राइड होटल्स के पोर्टफोलियो में अब कुल 40 संपत्तियां हो गई हैं। इनमें आठ होटल कंपनी के स्वामित्व वाले हैं, जबकि 32 होटल प्रबंधन अनुबंध के तहत संचालित किए जा रहे हैं।

विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार में अब तक डाले 23,544 करोड़ रुपये

एफपीआई का धमाका, 4 महीने की बिकवाली के बाद तूफानी वापसी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजार में अपनी लिवाली तेज कर दी है। कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों, रुपए की स्थिरता और बाजार की बेहतर संभावनाओं से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। एफपीआई ने अगस्त में अब तक भारतीय शेयर बाजार में 23,544 करोड़ रुपए डाले हैं। इससे पहले जुलाई में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में 20,200 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इससे लगातार चार महीनों की भारी बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों के रुख में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।

निवेशकों की दिलचस्पी बॉन्ड बाजार में : बजाना ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष-शोध पब्लिशर मुखर्जी के अनुसार, इन घटनाक्रमों का आने वाले सप्ताह में बाजार की धारणा पर अपसर पड़ सकता है। विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी ऋण या बॉन्ड बाजार में भी दिखाई दी है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान उन्होंने पूर्ण तरह सुलभ मार्ग (एफएआर) के तहत ऋण बाजार में 852 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जबकि सामान्य मार्ग के जरिये 995 करोड़ रुपए की निकासी की है।



विदेशी निवेशक बने शुद्ध बिकवाल

सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जून में 49,340 करोड़ रुपए, मई में 32,963 करोड़ रुपए, अप्रैल में 60,847 करोड़ रुपए और मार्च में 1,17,000 करोड़ रुपए की निकासी की थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने 22,615 करोड़ रुपए का निवेश किया था।

हालांकि, हाल की खरीदारी के बावजूद वर्ष 2026 में विदेशी निवेशक अब भी भारतीय शेयरों में शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। इस वर्ष अब तक वे करीब 2,30,000 करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। यह आंकड़ा पूरे वर्ष 2025 में हुई 1,66,000 करोड़ रुपए की निकासी से भी अधिक है।

विदेशी निवेशक नहीं कर आईटी शेयरों खरीदारी

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश राणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई की भारतीय बाजार में वापसी के पीछे कई कारण हैं। इनमें पहली तिमाही के बेहतर नतीजों, रुपए की स्थिरता और व्यापक बाजार में कंपनियों की मजबूत वृद्धि संभावनाएं प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशक आकर्षक मूल्यंकन वाले बड़े बैकिंग और आईटी शेयरों में व्यापक खरीदारी नहीं कर रहे हैं। इसके बजाय वे अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यंकन के बावजूद चुनिंदा मझोली कंपनियों के शेयरों में पैसा लगा रहे हैं। बाजार की आगे की दिशा के लिए निवेशकों की नजर कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव पर रहेगी।

शब्द पहेली - 6326															
1		2		3				4							
			5	6		7									
8	9		10			11					12				
13		14		15	16		17								
		18		19			20								
					21		22		23						
				24				25		26	27				
28	29				30		31		32			33			
34				35			36		37			38			
					39										
40								41							

बाएँ से दाएँ-

- पक्षियों का शोर-4
- मुठभेड़, भिड़ंत-4
- क्रोधित होवा-5
- लाश, पार्थिव देह-2
- नवीन-2
- सरिता-2
- संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
- दोजख, नर्क-3
- नमकीन लवण-3
- बंकार-3
- आंचल-3
- फायदा, लाभ-2
- बिट्टी, पत्र-2
- जी, चित-2
- संपूर्ण-2
- कुचलना, दबाना-3
- दाढ़म, एक फल-3
- सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
- खिचड़ी, पुलाव-3
- मां, आई-2

35. भाग्य (अंग्रेजी-2)

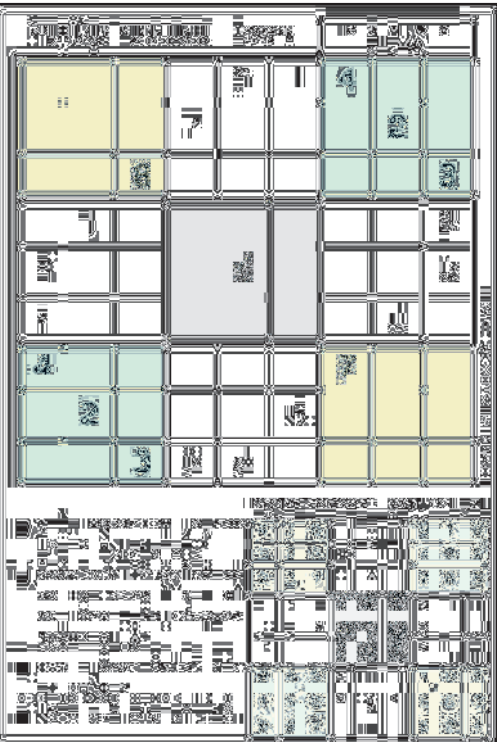
- सौतन-2
- लीन-2
- चमकीला-5
- नसीब, किस्मत-4
- चुनौती-4

ऊपर से नीचे

- दलाली-4
- स्वदेश, जन्मभूमि-3
- दौड़ी पीटना-3
- बेमिसाल-4
- इसमें तलवार रखते हैं-3
- मायपढ़, आदर्श-3
- इच्छित वस्तु-4
- जीरक, कणिका-2
- थोड़ा, जरा-2
- आनंद-2
- क्रोधित, रुष्ट-2
- अरा-3
- पति की बहन-3
- मन को हरने वाला-4
- निष्कर्ष-2

25. उम्मीद-2

- वोट, अभिमत-2
- घरोर, थाती-4
- रिस्ता-2
- नकद राशि, रोकड़-3
- संधिपत्र, मसविदा-3
- रीति अनुसार-4
- अदृढ़, तर्कहीन-3
- द्रव पदार्थ-3





सिनसिनाटी ओपन में 56 साल बाद दो अमेरिकी खिलाड़ियों की मिड़त

एजेसी ►► मेसन

जेसिका पेगुला ने मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक को और कोको गॉफ ने सारा बेलेंक को हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में जगह बनाई और 56 साल बाद इस टूर्नामेंट के महिला फाइनल में दो अमेरिकी खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा।

पेगुला ने तीसरे सेट में एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्वियातेक को 7-5, 4-6, 6-4 से हराया। यह इस साल दूर पर उनकी 45वीं जीत है, जो सर्वाधिक है। यह पेगुला की दूर स्तर पर 300वीं जीत भी थी। उन्होंने स्वियातेक के लगातार 10 मैच से चले आ रहे जीत के क्रम को भी तोड़ दिया। सिनसिनाटी में पेगुला का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2024 में रहा था जब उन्हें फाइनल में एरिना सबालेंका के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

टियाफो का फाइनल में प्रवेश, नाकाशिमा को दी मात

सेमीफाइनल में टियाफो ने बैडज़न नाकाशिमा को 7-5, 6-3 से हराया। पहले सेट में उन्हें लगातार चार ब्रेक पॉइंट मिले, जिसके बाद टियाफो ने सर्व करके 4-3 की बढ़त बना ली। फिर उन्होंने दोबारा ब्रेक करके स्कोर 6-5 कर दिया और सर्व करके सेट जीत लिया। इसके बाद टियाफो ने नाकाशिमा के खिलाफ दूसरे सेट में 3-2 की बढ़त बना ली और सर्व करके जीत पक्की करते हुए फाइनल में जगह बना ली।

जेसिका और कोको ने मुकाबला आज



गॉफ ने बलेक को दी शिकस्त

वर्ष 2023 की चैंपियन गॉफ ने बेलेंक को 6-4, 6-1 से हराया। चेक गणराज्य की 20 वर्षीय खिलाड़ी बेलेंक ने सेमीफाइनल तक के सफर में शीर्ष वरीय सबालेंका और मैड्रिसन कीज़ को हराकर उलटफेर किया था। सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में पिछली बार दो अमेरिकी महिला खिलाड़ियों का मुकाबला 1970 में हुआ था जब रोजी कैसाल्स ने नैन्सी रिची को हराया था। जेसिका पेगुला और कोको गॉफ के बीच सिनसिनाटी ओपन के महिला एकल का फाइनल मुकाबला 24 अगस्त को भारतीय समयानुसार सुबह 4:30 बजे खेला जाएगा।

■ जेसिका ने स्वियातेक को और कोको ने सारा को हराया

■ जेसिका की इस सीजन की 45वीं जीत

■ 24 अगस्त को महिला एकल का फाइनल मुकाबला

आर्थर फिल्स ने कोबोली को हराकर फाइनल में बनाई जगह

आर्थर फिल्स ने 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में प्लेविशो कोबोली को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फिल्स को यह लगातार पांचवी जीत थी। कोबोली ने 2-1 की बढ़त ले ली, लेकिन फिल्स ने आठवें गेम में तुरंत सर्व तोड़कर जवाब दिया क्योंकि इटैलियन खिलाड़ी को बेसलाइन से खेलने में दिक्कत हो रही थी। 22 साल के फ्रेंच खिलाड़ी ने दूसरे सेट के पहले गेम में सर्व तोड़ा और अपने दमदार फोरहैंड से मैच पर कंट्रोल कर लिया, और 22 विनर्स और छह एस के साथ सेट खत्म किया।

खबर संक्षेप

गिकेल-डेलर्यू ने जीता मिश्रित युगल का खिताब



नई दिल्ली। फ्रांस की थॉम गिकेल और डेलफिन डेलर्यू की जोड़ी ने विश्व नंबर एक फ्रेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग जोड़ी को हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के मिश्रित युगल का खिताब जीतते हुए इतिहास रच दिया। गिकेल और डेलर्यू की जोड़ी मिश्रित युगल में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने वाली फ्रांस की पहली जोड़ी बन गयी। विश्व की पांचवें नंबर की फ्रांस की जोड़ी ने रोमांचक फाइनल में चीन की जोड़ी को 22-20, 19-21, 21-15 से मात दी। एक घंटे 18 मिनट चले मुकाबले में जीत के साथ गिकेल और डेलर्यू ने अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब हासिल किया। कांस्य पदक जीतने वाली फ्रांसीसी जोड़ी ने पूरे मुकाबले में शानदार रणनीतिक खेल का प्रदर्शन किया।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को हराया



नई दिल्ली। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग के बड़े स्कोर वाले मुकाबले में दबाव के क्षणों में धैर्य बनाए रखते हुए वेस्ट दिल्ली लायंस को 21 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने शीर्ष और मध्यक्रम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 8 विकेट पर 232 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद उसके गेंदबाजों ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 8 विकेट पर 211 रन पर रोक दिया। किंग्स के लिए सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ जून ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 17 गेंद पर 33 रन बनाए। इसके बाद समर्थ सेठ ने 14 गेंद में 37 रन की तेजतरंग पारी खेली। अंतिम ओवरों में मनी ग्रेवाल ने सिर्फ 16 गेंद पर 42 रन की तूफानी पारी खेलकर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

जूनियर टेनिस कप ओम और दीपशिखा ने जीता खिताब



चेन्नई। पांचवीं वरीयता प्राप्त ओम पटेल और शीर्ष वरीयता प्राप्त दीपशिखा विनयामूर्ति ने रविवार को यूनीफाई-आईटीएफ जूनियर टेनिस कप में क्रमशः लड़कों और लड़कियों के वर्ग के एकल खिताब जीते। दीपशिखा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए सविता भुवनेश्वर को सीधे सेटों में हराया जबकि पांचवीं वरीयता प्राप्त ओम पटेल ने करीब दो घंटे चले रोमांचक मुकाबले में ओम वर्मा को 1-6, 6-3, 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। लड़कियों के एकल फाइनल में शीर्ष वरीय दीपशिखा ने सविता को 6-4, 6-3 से हराया। उन्होंने पिछले सप्ताह जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद लगातार दूसरे सप्ताह ट्रॉफी अपने नाम की।

कोलंबो टेस्ट : पहले दिन भारत ने 5 विकेट पर बनाए 300 रन

भारत का श्रीलंका पर मजबूत शिकंजा पडिक्कल ने जड़ा लगातार दूसरा शतक

एजेसी ►► कोलंबो

देवदत्त पडिक्कल के लगातार दूसरे शतक से भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन रविवार को पहली पारी में 5 विकेट पर 300 रन बनाए। पहले टेस्ट में 167 रन की पारी खेलने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज पडिक्कल ने दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 193 गेंद में 12 चौकों से 117 रन की पारी खेलने के अलावा कप्तान शुभमन गिल (50) के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 और रविंद्र जडेजा (43 रन, 83 गेंद, चार चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी की। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी 45 रन की उपयोगी पारी खेली। दिन का खेल खत्म होने पर ध्रुव जुरेल सात जबकि सारांश जैन चार रन बनाकर खेल रहे थे।

फर्नांडो ने 46 रन देकर चटकाए 3 विकेट

श्रीलंका की ओर से अश्विना फर्नांडो सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 46 रन देकर तीन विकेट चटकाए। तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा और स्पिंजर केशारा नुवानथा ने एक-एक विकेट चटकाया।



श्रीलंका की धरती पर एक टेस्ट सीरीज में 2 शतक लगाने वाले भारतीय बैटर्स	
■ 2 शतक – विनोद कांबली (1993)	(2010)
■ 2 शतक – मोहम्मद अजहरुद्दीन (1997)	■ 2 शतक- शिखर धवन (2017)
■ 2 शतक – सचिन तेंदुलकर (1997)	■ 2 शतक – चेतेश्वर पुजारा (2017)
■ 2 शतक – वीरेंद्र सहवाग	■ 2 शतक – देवदत्त पडिक्कल (2026)

पडिक्कल ने की सचिन-सहवाग की बराबरी

देवदत्त पडिक्कल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में गॉलें में शतक (167 रन) लगाने के बाद दूसरे टेस्ट मैच में भी कोलंबो में पहली पारी में शतक लगाने का कमाल किया। नंबर 3 पर बैटिंग करने आए देवदत्त पडिक्कल ने बेहद धैर्यमयी पारी खेली और पहले दिन बैटिंग के लिए मुफ़ीद पिच पर कमाल की पारी खेलते हुए शतक लगाया दिया। श्रीलंका की धरती पर टेस्ट सीरीज में ये उनका दूसरा शतक रहा और उन्होंने सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग समेत 6 भारतीय खिलाड़ियों के इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। श्रीलंका की धरती पर भी उनका ये दूसरा टेस्ट शतक रहा और इसके साथ ही उन्होंने विनोद कांबली, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और शिखर धवन की बराबारी कर ली।

चोट लगने के बाद पंत 'रिटायर्ड हर्ट'

विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन रविवार को बाएं हाथ पर चोट लगने के बाद 'रिटायर्ड हर्ट' होकर मैदान से बाहर चले गए। दिन के तीसरे सत्र में श्रीलंका के तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा ने पंत को शॉर्ट गेंद डाली और भारतीय खिलाड़ी ने गेंद को पुल करने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके बल्ले के बजाय सीधे उनके बाएं हाथ पर जा लगी। चोट लगने के बाद पंत दर्द से कराहते दिखाई दिए।

हरियाणा ने जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती

पुणे। हरियाणा ने रविवार को यहां 16वीं हांकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में झारखंड को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। मध्य प्रदेश ने तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले में छत्तीसगढ़ को 3-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। फाइनल मुकाबले में दोनों टीम जोरदार संघर्ष करती रहीं, लेकिन झारखंड ने 19वें मिनट में मुंदरी सरोज के गोल की मदद से बढ़त बना ली। हरियाणा ने शानदार वापसी करते हुए 23वें मिनट में भाव्या के गोल से स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद 42वें मिनट में खुशी ने गोल कर हरियाणा को बढ़त दिला दी। मैच के अंतिम चरण में झारखंड ने बराबरी का गोल करने के लिए लगातार आक्रमण किए, लेकिन हरियाणा की रक्षापंक्ति ने मजबूती से मुकाबला करते हुए अपनी बढ़त बरकरार रखी और चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया।

बैडमिंटन: गिकेल-डेलर्यू की जोड़ी और एलेक्स लानियर फ्रांस के पहले विश्व चैंपियन बने

नई दिल्ली। थॉम गिकेल और डेलफिन डेलर्यू की मिश्रित युगल जोड़ी तथा पुरुष एकल खिलाड़ी एलेक्स लानियर ने रविवार को यहां विश्व चैंपियन बनकर फ्रांस के लिए इतिहास रच दिया। मिश्रित युगल और पुरुष एकल में यह फ्रांस के लिए पहला स्वर्ण पदक है। दक्षिण कोरिया की आन से यंग ने महिला एकल का अपना दूसरा खिताब जीत लिया। विश्व की पांचवें नंबर की फ्रांस की जोड़ी गिकेल और डेलर्यू ने विश्व चैंपियनशिप के मिश्रित युगल फाइनल में चीन की दुनिया की नंबर एक जोड़ी फेन यान झे और हुआंग डोंग पिंग को 22-20, 19-21, 21-15 से हराकर खिताब अपने नाम किया। एक घंटे 18 मिनट चले मुकाबले में मिली यह जीत उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। इसके कुछ ही देर बाद लानियर ने एक्टरफा फाइनल में जापान के कोडोई नाराओका को 21-11, 21-11 से करारी शिकस्त दी। दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक आन से यंग ने जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन और विश्व नंबर दो अकनेने यामागुची को 21-17, 21-14 से हराकर महिला एकल का अपना दूसरा विश्व खिताब जीत लिया।

तमन्ना (जींद) और किरण पहल (सोनीपत)-शानदार टॉप-5 फिनिश

महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में तमन्ना ने 11.61 सेकंड के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। वहीं, 400 मीटर दौड़ में किरण पहल ने 52.81 सेकंड का समय निकालकर चौथा स्थान हासिल किया।



परचम लहराया है। खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर ग्रीवेंस कमेट्री एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य राजकुमार मिटान, एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान सिंह और फरीदाबाद के मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ सहित तमाम खेल प्रेमियों और पदाधिकारियों ने विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

कृष्ण कुमार (भिवानी):-

पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में स्टार मिडिल डिस्टेंस धावक कृष्ण कुमार ने 1:47.69 सेकंड का शानदार समय निकालकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। वह महज 0.24 सेकंड के अंतर से स्वर्ण पदक से चूके (दक्षिण अफ्रीका के मोल्लिफी मोहल्लोमी 1:47.45 सेकंड के साथ पहले स्थान पर रहे)।



भारती (सोनीपत):-

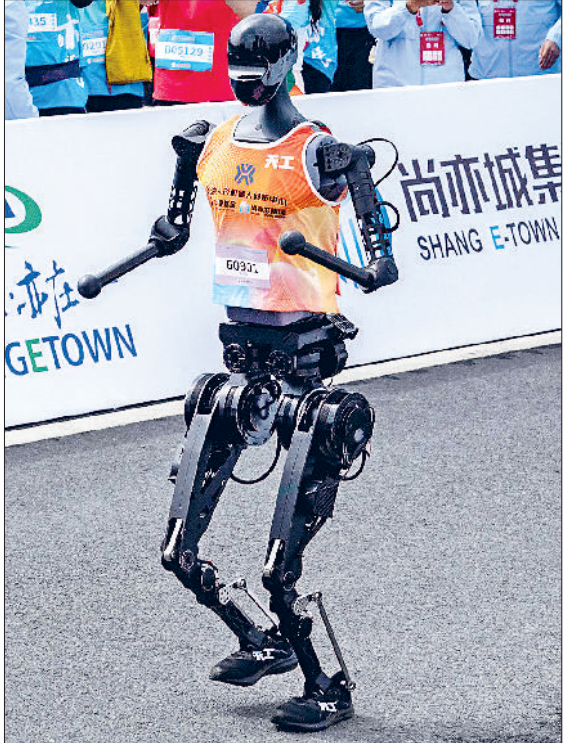
महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में भारती ने 15:46.45 सेकंड के बेहतरीन समय के साथ दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में केन्या की डायना वान्जा (15:16.11 सेकंड) पहले स्थान पर रहीं।



बीजिंग में रोबोट ओलंपिक की शुरुआत 100 मीटर दौड़ और ऊंची कूद के तोड़े रिकॉर्ड

एजेसी ►► बीजिंग

चीन के ह्यूमनॉइड (मनुष्यों के आकार के) रोबोट ने बीजिंग में शुरू हुए ओलंपिक जैसे विश्व ह्यूमनॉइड रोबोट खेलों के पहले दिन मानवों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। इनमें जर्मका के महान धावक उसेन बोल्ट का 100 मीटर दौड़ का विश्व रिकॉर्ड भी शामिल है। आयोजकों के अनुसार प्रतिযোগिता में दो हजार से अधिक ह्यूमनॉइड रोबोट हिस्सा ले रहे हैं। पांच दिन तक चलने वाले इन खेलों का यह दूसरा सत्र है। अमेरिका के साथ तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ने के बीच यह आयोजन रोबोटिक्स के क्षेत्र में चीन की तेजी से बढ़ती क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है। इसमें दौड़, टेबल टेनिस और फुटबॉल समेत 51 स्पर्धाओं में एक हजार से अधिक मुकाबले होंगे। इन खेलों का आयोजन 2022 शीतकालीन ओलंपिक के लिए बनाए गए नेशनल स्पीड स्केटिंग ओवल में हो रहा है।



ऑस्ट्रेलिया ड्रॉ खेलकर सेमीफाइनल में पहुंचा

भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर

भाषा ►► एक्सप्रेसतवीन

विश्व कप में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम बड़े मैच का दबाव नहीं झेल सकी और 'करो या मरो' के मुकाबले में आस्ट्रेलिया से गोलरहित बराबरी के बाद समान अंक होने के बावजूद गोलों की गिनती के आधार पर सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। भारत को सेमीफाइनल में जाने के लिये यह मैच हर हालत में जीतना था। पहले दौर में पूल डी में चीन से ड्रा का एक अंक भारत के पास था जबकि आस्ट्रेलिया भी एक अंक लेकर आई थी। इसके बाद आकलन गोल



औसत के आधार पर होना था जिसमें दोनों के माइन्स दो गोल थे। आस्ट्रेलिया ने तीन गोल किये और पांच गंवाये थे जबकि भारत ने दो गोल किये और चार गंवाये थे। औसत भी बराबर रहने के बाद

गोल की गिनती में आस्ट्रेलिया एक गोल आगे था और सेमीफाइनल में पहुंच गया। दूसरे चरण के पहले मैच में नीदरलैंड से दो गोल से हारने से पहले शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम आज

लय में नजर नहीं आई। कई आसान मौके गंवाये और रैंकिंग में अपने से महज एक स्थान ऊपर काबिज आस्ट्रेलिया से गेंद पर कब्जा छीनने में भी नाकाम रही। भारतीय कोच शोर्ड मारिन ने आखिरी पांच मिनट में गोलकीपर बिबू देवी को भी हटा दिया था लेकिन फिर भी भारतीय टीम खाता नहीं खोल सकी। अब भारत क्लासीफिकेशन मैच खेलेगा जबकि नीदरलैंड और आस्ट्रेलिया पूल ई से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय खिलाड़ी पहले हाफ में वह तत्परता और तालमेल नहीं दिखा सके जो टूर्नामेंट में अब तक देखने को मिला था।

पुरुष हॉकी : सेमीफाइनल के लिए भारत का 'आखिरी दांव'!

एक्स्प्रेसतवीन। नीदरलैंड से पिछले मैच में हारने के बाद भारतीय टीम विश्व कप सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर होने की कगार पर है। हालांकि शनिवार को आखिरी पूल मैच में इंग्लैंड की अर्जेंटीना के हाथों हार ने तकनीकी तौर पर रास्ते बंद नहीं किए हैं लेकिन हरमनप्रीत सिंह की टीम को इसके लिए बड़ी जीत के साथ दूसरे मैच का परिणाम भी अनुकूल रहने की दुआ करनी होगी। विश्व कप के नए प्रारूप के तहत पूल ई और एफ में दूसरे दौर में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीम सेमीफाइनल में जाएगी। इंग्लैंड की रियो ओलंपिक 2016 चैंपियन अर्जेंटीना ने 3-1 से हराया लेकिन पहले दौर में भारत पर मिली जीत के कारण इंग्लैंड के पास तीन अंक हैं।

हरिभूमि कानूनीकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्याना द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। आरपनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109